सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

अच्छी भूमिका, अच्छे व्यवहार और अच्छे विचार वाले लोगों को हमेशा ही याद किया जाता है। मन में भी, शब्दों में भी और जीवन में भी...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–57 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, बुधवार 18 मार्च 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य –2 रुपए,

1 अप्रैल से सभी बिजली दफ्तर में लागू होगा ई–ऑफिस सिस्टम, डिजिटल हस्ताक्षर से हो रहा फाइलों का अनुमोदन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के राजधानी स्थित डंगनिया मुख्यालय में ई–ऑफिस का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के बाद अब इसका विस्तार किया जा रहा है। अब प्रदेश के सभी बिजली दफ्तर में 1 अप्रैल 2026 से ई–ऑफिस प्रणाली लागू किया जाएगा। इसके लिए ट्रांसमिशन कंपनी के सभी कक्षा से सभी मैदानी अफसरों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने के साथ फाइलों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के लिए ई–ऑफिस का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज में मुख्यालय स्तर पर 10 नवंबर 2025 से किया जा चुका है। अब इसे प्रदेश के सभी कार्यालयों में लागू करने का निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) एएम परियल ने इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के जनरेशन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में अब पेपरलेस काम की तैयारी की जा रही है। इसके तहत 1 अप्रैल से मैदानी स्तर के कार्यालयों में भी ई–ऑफिस प्रणाली को लागू किया जा रहा है। ई–ऑफिस के माध्यम से अब नोटशीट, आदेश, पत्र और परिपत्र जैसे सभी दस्तावेजों का निर्माण, अनुमोदन, प्रेषण तथा संधारण पूरी तरह डिजिटल रूप से किया जाएगा। इससे कार्यों में गति आएगी और कागज के उपयोग में कमी होगी।

इस नई व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के केंद्य सूचना एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (ईआईटीसी) ने आज से ऑनलाइन ट्रेनिंग आरंभ कर दी है। छह पालियों में इसका आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ऊर्जा नेट पर ई–ऑफिस के लिए स्व–सेवा पोर्टल भी उपलब्ध कराया गया है। अधिकारियों और कमर्चारियों से अपेक्षा की गई है कि वे पोर्टल पर उपलब्ध उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका, दिशा–निर्देश और सामान्य प्रश्नों का अध्ययन करें। इस पहल से संसाधनों और समय की बचत होगी तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी।

उदयपुर में सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा : 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

उदयपुर थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आपसी विवाद में युवक की बेरहमी से हत्या कर शव को डबरी में फेंक दिया गया था, वहीं साक्ष्य मिटाने के लिए घर में खून तक साफ कर गोबर से लिपाई कर दी गई थी। मामले की रिपोर्ट प्रार्थी मनोज कुमार ने दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनका छोटा भाई शीतल कुमार 15 मार्च को अपने साथी के साथ ग्राम पोतका में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च को सूचना मिली कि शीतल के साथ मारपीट कर उसे डबरी में फेंक दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर शीतल का शव पानी में मिला, जिसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। पास ही खून से सना जुट बोरा, मोबाइल और गमछा भी बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपी प्रमोद सिंह ने आपसी विवाद के चलते शीतल कुमार पर डंडा और टांगी के पासे से वार कर उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी ने अपने डेढ़साले के साथ मिलकर शव को डबरी में फेंक दिया, ताकि मामला छिपाया जा सके। घटना के बाद आरोपी के माता–पिता ने घर में गिरे खून को साफ कर दिया और गोबर से लिपाई कर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। पुलिस ने इसे भी गंभीर अपराध मानते हुए उन्हें भी आरोपी बनाया है। पुलिस ने इस मामले में कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया हैः जिनमें प्रमोद सिंह (मुख्य आरोपी), राजेश कुमार, बहादुर पवारों शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से डंडा और टांगी (हत्या में प्रयुक्त), मोटरसाइकिल, घटना के समय पहने कपड़े, घटनास्थल से खून से सना बोरा, मोबाइल और गमछा जप्त किए गए हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए राजेश कुमार अग्रवाल (डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा) के निर्देशन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाईकरते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट के कारण मृत्यु होना और हत्या की पुष्टि हुई है। थाना उदयपुर में अपराध क्रमांक 50/26 के तहत धारा 103(1), 238(ए), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस का कहना है कि गंभीर अपराधों में शामिल आरोपियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक शिशिरकांत सिंह सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही, जिन्होंने साक्ष्य जुटाकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया।

सचिन पायलट ने किया पीसीसी कनेक्ट सेंटर का उद्घाटन

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी सचिन पायलट ने राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस के कनेक्ट सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी एस संपत कुमार, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी जरिता लैतफ्लांग, एआईसीसी संयुक्त सचिव एवं प्रदेश सह–प्रभारी विजय जांगिड़, पूर्व मंत्री उमेश पटेल, एआईसीसी सचिव एवं विधायक देवेन्द्र यादव, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, कनेक्ट सेंटर के चैयरमेन दीपक मिश्रा, को–चेयरमेन पल्लवी सिंह, अशोक चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे। कांग्रेस ने पूरे देश में कार्यक्रमों की निगरानी के लिये कनेक्ट सेंटर की स्थापना की है। देश भर के कनेक्ट सेंटर एआईसीसी के कनेक्ट से जुड़े रहेंगे, जो प्रदेश के जिलों, ब्लॉको और मंडलो के कार्यक्रमों पर सीधी नजर रखेंगे।

कांग्रेस ने किया ऐतिहासिक विधानसभा का घेराव

हजारों की संख्या में भारत माता चौक में एकत्रित होकर कांग्रेस जनों ने विधानसभा की ओर किया कूच

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस ने ऐतिहासिक विधानसभा का घेराव किया। हजारों की संख्या में भारत माता चौक में एकत्रित होकर कांग्रेस जनों ने विधानसभा की ओर कूच किया। मनरेगा बचाओ संग्राम तथा प्रदेश के स्थानीय मुद्दों बिजली के दाम में बढ़ोत्तरी, किसानो से धोखा, धान खरीदी पर वादा खिलाफी, गैस सिलेंडर के दामो की बढोत्तरी बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था प्रदेश में नशे की खेती और करोबार जैसे मुद्दो को लेकर कांग्रेस विधानसभा का घेराव किया।

इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी एस संपत कुमार, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी जरिता लैतफ्लांग, एआईसीसी संयुक्त सचिव एवं प्रदेश सह–प्रभारी विजय जांगिड़ सहित, पूर्व मंत्रीगण, विधायकगण राज्य के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आम आदमी बड़ी संख्या में शामिल हुये।

राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों, मजदूरों को वंचित, जो असहाय है, निर्बल है उन लोगों की आवाज बन कर राजधानी में विधानसभा के घेराव का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में कांग्रेस पार्टी ने जनता की आवाज को उठाने का बीड़ा उठाया है। आपके साथ मिलकर इस सरकार को जगाना जरूरी है कि प्रमुख रूप से नरेगा का कानून बना था ये बड़ा और विचित्र कानून था जो पूरे दुनिया में किसी मुल्क में नहीं था। रोजगार का अधिकार सोनिया गांधी ने डॉ. मनमोहन सिंह ने दिया। मोदी प्रधानमंत्री बने उनका पहला भाषण मनरेगा के खिलाफ था। उनकी मंशा 2014 में इस नरेगा को बंद करने की थी। तीसरी बार सरकार बनने के बाद मोदी सरकार इस कानून में बदलाव करना चाहती है, वो बंद करना चाहती है। पहले केंद्र सरकार नरेगा का 90 प्रतिशत पैसा दिल्ली से आता था।

अब इन्होंने राज्यों पर 60–40 का रेस्यों डाल दिया। जो कार्यक्रम होंगे खेत, खलिहान, कुएं, तालाब निर्माण वो निर्णय ग्राम पंचायत नहीं कर सकती वो सब केन्द्रित कर दिया। भाजपा की सरकार समझ गयी कि देश की जनता का कितना भी शोषण कर लो, कितना भी अत्याचार कर लो, कितना भी कानून बदल लो, ये धर्म की आड़ में, हिन्दू–मुसलमान की आड़ में, मंदिर–मस्जिद की आड़ में दोबारा फूल छाप पर ही वोट डालेंगे। इस सरकार को गलतफहमी हो गयी है। देश में बहुत सारे प्रधानमंत्री हुये लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने 75 सालों में देश के किसानों के साथ धोखा नहीं किया है। हमारी नीतियां अलग हो सकती है, विचारधारा अलग हो सकती है।

किसी सरकार ने किसी प्रधानमंत्री किसानों के साथ धोखा नहीं किया। पहली बार ऐसी सरकार जो दिल्ली में बैठी है जो दबाव में निर्णय लिये जा रहे है। किसानों से धोखा कर रहे है। इस देश के किसानों के हित को दरकिनार करके अमेरिका के साथ समझौता किया है। जो ऐसी सरकार नहीं बनी है जो विदेशी ताकतों के सामने घुटने टेक दे। दूसरे देश के मुल्क किसी भी देश की ताकतों को नहीं रोक सकता है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में बैठे–बैठे युद्ध की घोषणा कर देते है। जिन मुल्कों के साथ हमारी समझौता हुआ है आज खाड़ी में हमारे 95 लाख भारतीय रहते है। उनकी सुरक्षा के लिए क्या किया? आज देश में कानून बनते है वो पक्षपात कानून बनते है। नोटबंदी लेकर आए लोगों को लाइन लगा दिया। फिर गैस के लिए लोगों को लाइन लगा दिया।

आज के हालात पैदा करती रही, देशों सिर्फ पूंजीपतियों की तूती बोल रही है। भाजपा सरकार को गरीब, किसान, महिला से कोई सरोकार नहीं। इसके खिलाफ पूरे देश में कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी जी के नेतृत्व में जनता की आवाज बुलंद कर रही हैं। भाजपा सरकार को सवा दो साल हो गए सरकार की नाक के नीचे अफीम की खेती होती है। आपने उजागर कर दिया, सरकार को मजबूर होना पड़ गया। इस प्रकार किसी भी आपराधिक कार्रवाई करते हैं। साम, दाम, दंड भेद सब लगा दी सभी राज्यों के चुनाव हुए लालच देकर अपने पक्ष वोट करवा रहे है। आज प्रधानमंत्री अटल बिहारी होते तो और अमेरिका का रवैया ऐसा होता तो कभी मानने को तैयार नहीं होती।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सभा को संबोधित करते हुए कहा है कि आज ऐतिहासिक विधानसभा घेराव है। पूरे छत्तीसगढ़ के कोने–कोने से हमारे कार्यकर्ता आए हैं। यह घेराव मनरेगा कानून व्यवस्था, मजदूर, युवा, किसानों के लिए है। भाजपा की सरकार से छत्तीसगढ़ की जनता त्रस्त हो चुकी है। 2028 में इस सरकार को उखाड़ कर फेंकना है। देश में मनरेगा अर्थव्यवस्था की ताकत है, भाजपा की सरकार ने इसे खत्म कर दिया है। मनरेगा से करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता था लेकिन केंद्र सरकार ने इस योजना को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़ की सरकार में बिजली बिल बढ़ गया है, कांग्रेस की सरकार थी तब बिजली बिल हाफ योजना की शुरुआत हुआ था। भाजपा की सरकार में बिजली बिल से लोग परेशान हैं।

महतारी वंदन योजना के नाम से बिजली बिल बढ़ाकर पैसा वसूला जा रहा है। जल, जंगल, जमीन, कोयला संसाधन सबको यह सरकार लूट रही है। आज छत्तीसगढ़ के युवा धरने में बैठे हैं, अपने अधिकार की मांग को लेकर लेकिन सरकार इस मामले में कोई ध्यान नहीं दे रही है। बीजेपी सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है। किसानों से उनका धान नहीं खरीद रही है। गैस के लिए हाहाकार मचा हुआ है। देश की जनता को गैस नहीं मिल रहा है इससे ज्यादा दुर्भाग्य की बात क्या हो सकता है। छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। कांग्रेस में मंडल ब्लॉक जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई है अब पंचायत में भी नियुक्ति की जाएगी लेकिन भाजपा सरकार में जनता परेशान हो चुकी है कि सरकार को उखाड़ कर फेंकेंगे। आने वाले विधानसभा चुनाव 2028 में हमारे कार्यकर्ता मजबूती से लड़ेंगे और हमारी सरकार बनेगी।

नेता प्रतिपक्ष से डॉ. चरणदास महंत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पायलट के नेतृत्व में घेराव का कार्यक्रम रखा गया है आप उस वीर भूमि से आए हैं जहां लोग सम्मान से रहते हैं। छत्तीसगढ़ के लोग भी आपके स्वाभिमान के लिए जीना जानते हैं। छत्तीसगढ़ की सरकार युवा, किसान, महिला, गरीब का ध्यान नहीं दे रही है। आने वाले समय में हमारी केंद्र और राज्य में सरकार बनेगी। कांग्रेस गरीबों के साथ है। कांग्रेस पार्टी के साथ गरीबों का आशीर्वाद है। विधानसभा का आज घेराव होने वाला है। मजदूर गरीबों की बात सुनाई नहीं देती भाजपा सरकार सिर्फ चंद उद्योगपतियों की आवाज सुनती है। भाजपा की सरकार ने कांग्रेस के कार्यकाल में रखा गया नाम को बदला जा रहा है। नाम बदलने के साथ नीति में भी बदलाव करती है। केंद्र की सरकार लोगों के अधिकारों को छीन रही है। हम महात्मा गांधी के चेले हैं, कांग्रेस पार्टी गरीब, मजदूर, किसान सबके साथ है। मोदी सरकार में गरीबी और अमीरी के बीच फासला बढ़ा है। भाजपा सरकार में मजदूरों की रक्षा–सुरक्षा नहीं हो रही है। छत्तीसगढ़ की साय सरकार किसानों के साथ भेदभाव कर रही है, उनका पूरा धान नहीं खरीदा जा रहा है। छत्तीसगढ़ अपराध गढ़ बन गया है। आने वाले समय में हमें छत्तीसगढ़ और केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनाना है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मनरेगा सोनिया और मनमोहन सिंह की सोच है। मनरेगा गरीब आदमी से भी रोजगार प्राप्त करने का अधिकार है। दुनिया के सबसे बड़े रोजगार योजना कानून नहीं बल्कि योजना कानून बनाने के काम है। इसके तहत लाखो करोड़ो परिवारो को रोजगार मिला। गरीब आदमी को जीवन जीने के अधिकार पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दिया था। भाजपा ने अधिकार छीनने का काम कर रहे है और वंचित करना चाह रहे है। लेकिन यह भाजपा सरकार नियम को बदल दिया। अब केन्द्र सरकार तय करेंगे की क्या काम मिलेगा और क्या नहीं? ये सरकार खैरात बदलने का काम कर रही है।

केन्द्र सरकार शत–प्रतिशत जो राशि देते थे, वह राशि शत प्रतिशत नहीं मिलेगा। पंचायत में 15 वित्त के पैसा नहीं आ रहा है, नल जल योजना के पैसा नहीं आ रहा है, यहां मूलभूत के पैसा नहीं आ रहा है और भाजपा की सरकार कहती है 40 प्रतिशत पैसे देंगे? 40 प्रतिशत पैसा नहीं मिलने वाला है। गरीब के मुंह से निवाला छीनने का काम भाजपा की सरकार कर रही है। भाजपा की सरकार मनरेगा को छीनने का काम कर रही है। 2028 में कांग्रेस की सरकार बनेगी और 2029 में दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे और यह मनरेगा फिर से शुरू होगा। आज जो मजदूरी मिल रहा है उससे डेढ़ गुना मजदूरी देंगे। भाजपा की सरकार छप्पन इंच का है वो भी दिखाने के लिये। किसान को डीएपी नहीं मिला, यूरिया नहीं मिल रहा है। 56 इंच की सरकार क्या काम के जो किसान को एक बोरी डीएपी नहीं दिला पा रहे है और न ही एक बोरा यूरिया नहीं दिला पा रहे है और बहन माता को एक सिलेंडर नहीं दिला पा रहे है।

आज पूरा देश में गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। गैस सिलेंडर का रेट 60 रू. बढ़ा दिया और जो कमर्शियल गैस है उनको बंद कर दिया गया। आज सिलेंडर ढाई हजार से कम में नहीं मिल रहा है और बहुत इमरजेंसी है तो चार हजार में खरीदने को मजबूर है। राहुल गांधी ने कहा 56 इंच के विश्व गुरू लोकसभा नहीं आ पायेंगे और दिल्ली के लोकसभा में कांग्रेस के सांसद नारा लग रहा है, नरेन्द्र भी गायब और सिलेंडर भी गायब का नारा लगा रहे है। पूरा दुनिया में विदेश नीति के थू–थू हो रहे है, जो परंपरागत मित्र है उनका साथ छोड़ दिया, रूस ने साथ छोड़ दिया। बस्तर के पोटाकेबिन में हास्टल के जो नाबालिक छात्रा है गर्भवती हो रहे है। चिंता का विषय है। भाजपा की सरकार माता, बहन, बेटी की इज्जत लूटना चाह रही है, यह सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रहे है और छत्तीसगढ़ को नशा में डूबोने का काम कर रही है। अभी केवल तीन जगह अफीम की खेती को पकड़ा गया। विष्णुदेव कह रहे है कि हम सौगुना करेंगे। भाजपा की सरकार कहती है आय दुगुना करने की बात जब अफीम की खेती भाजपा करवा रही है तो आया दुगुना नहीं सौगुना होगा। नशे के कारोबार में भाजपा के नेता पकड़ा रहे है। भाजपा प्रदेश के पदाधिकारी विनायक ताम्रकार और बलरामपुर में भाजपा के नेता पकड़ा रहे है। विनायक ताम्रकार का नाम तीसरा नंबर में क्यो है? भाजपा की सरकार विनायक ताम्रकार और भाजपा नेताओ को बचाने का काम कर रही है।

सभा को वरिष्ठ नेता ताम्रध्वज साहू, पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री अमितेष शुक्ल, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व मंत्री उमेश पटेल, विधायक देवेन्द्र यादव, सुबोध हरितवाल ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मलकीत सिंह गैदू, आभार रायपुर शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने किया।

कुम्हारी में अफीम कारोबार का भंडाफोड़, 403 ग्राम अफीम व लाखों की नगदी सहित आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी

कुम्हारी थाना क्षेत्र में दुर्ग पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अफीम कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 403 ग्राम अफीम और लाखों रुपये की नगदी के साथ एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खारुन ग्रीन कॉलोनी गेट नंबर 02 के पास एक व्यक्ति अफीम बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदेही को पकड़ लिया।

पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 403 ग्राम अफीम (लगभग 2 लाख रुपये कीमत) नगदी 14,46,000 रुपये, दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। कुल मिलाकर लगभग 16 लाख रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जप्त की गई। पुलिस ने आरोपी गुरमेल सिंह (उम्र 70 वर्ष) निवासी खारुन ग्रीन कॉलोनी, कुम्हारी को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ NDPS Act की धारा 18(ग), 27(क), 29 के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से अफीम की बिक्री कर रहा था। इस कार्रवाई में थाना कुम्हारी पुलिस टीम के उप निरीक्षक, आरक्षक किरण और आरक्षक सचिन सिंह सहित अन्य स्टाफ की अहम भूमिका रही, जिन्होंने सतकर्ता और तत्परता से आरोपी को पकड़ा।

आयुक्त ने किया निरीक्षण, मियावाकी प्लांटेशन और जल संरक्षण पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन–2 वैशाली नगर और कैलाश नगर क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मियावाकी वृक्षारोपण, अतिक्रमण हटाने और मुख्य नहर के माध्यम से जल संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

आयुक्त ने इंदु आईटी के पीछे निगम स्वामित्व के रिक्त भूखण्ड का अवलोकन किया। शासन की मंशा के अनुरूप यहाँ 'मियावाकी पद्धति' से सघन पौधारोपण की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्थल पर बोरवेल और फेंसिंग का कार्य संपन्न हो चुका है। इस पद्धति से न केवल पर्यावरण हरा–भरा होगा, बल्कि वायु प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। शांति नगर के स्थानीय निवासियों ने आयुक्त से मुलाकात कर क्षेत्र में सुगम आवागमन हेतु नई सड़क निर्माण की मांग रखी। आयुक्त ने निवासियों को आश्वस्त किया कि नियमानुसार प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रेषित किया जाएगा।

कैलाश नगर में निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे नागरिकों द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण और बिल्डिंग मटेरियल रखकर मार्ग अवरुद्ध करने की शिकायत सही पाई गई। आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल बाधाएं हटाने के निर्देश दिए। एकता चौक, कैलाश नगर और कुरूद रोड किनारे स्थित मुख्य नहर का निरीक्षण किया गया। इस नहर के माध्यम से क्षेत्र के तालाबों को भरा जाएगा, जिससे भू–जल स्तर में सुधार होगा और स्थानीय निवासियों को निस्तारी कार्यों में सुविधा मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, उप अभियंता श्वेता महेश्वर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी एवं स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह सहित अन्य कमर्चारी उपस्थित रहे। यह अभियान शहर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के निलंबन के विरोध में कृषि स्नातक संघ ने जताई नाराजगी

संघ ने आदेश वापस लेने की मांग कर सौंपा ज्ञापन, निलंबन वापस नहीं होने पर उग्र आन्दोलन की दी चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ, जिला दुर्ग ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती एकता साहू के निलंबन को अनुचित बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। संघ द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि विभाग द्वारा मादक फसलों की जानकारी नहीं एवं अन्य योजनाओं के संबंध में समय-समय पर आवश्यक प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए, जिसके कारण जमीनी स्तर पर कार्य निष्पादन में कई व्यावहारिक समस्याएँ उत्पन्न हुई।

संघ के अनुसार किसानों की मांग के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया था। पूर्व वर्ष के उत्पादन एवं लक्ष्य शेष रहने की स्थिति में किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से कार्य किया गया। योजना के अंतर्गत मक्का बीज की उपलब्धता विभाग द्वारा नहीं कराई गई थी तथा किसानों को स्वयं बीज क्रय कर बिल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रदर्शन प्लॉट निजी भूमि पर स्थित होने के कारण वहां प्रवेश एवं निरीक्षण करने में सुरक्षा एवं अन्य प्रशासनिक कठिनाइयाँ थीं। ग्रामीण कृषि

विस्तार अधिकारी के पास डिजिटल उपकरणों एवं तकनीकी साधनों की भी कमी बताई गई, जिससे फसल की स्थिति एवं किसानों की पहचान सुनिश्चित करना कठिन था।

संघ ने आरोप लगाया कि कृषि मैपर में प्रगति लाने के संबंध में भी संबंधित अधिकारी पर अनावश्यक दबाव बनाया गया तथा पर्याप्त तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध नहीं कराया गया। ऐसी परिस्थितियों में की गई निलंबन कार्रवाई को संघ ने अन्यायपूर्ण बताते हुए इसका समर्थन न करने की बात कही है।

संघ ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि 22 मार्च 2026 तक निलंबन आदेश वापस नहीं लिया गया तो 23 मार्च 2026 से कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन, सामूहिक अवकाश एवं कार्य बहिष्कार के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। संघ ने जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग से मांग की है कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित अधिकारी को न्याय दिया जाए तथा भविष्य में कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश, प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाए। यह जानकारी जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ जिला दुर्ग ने दी।

खास खबर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करेगा भारत माता की भव्य आरती का हुआ भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

बोगदा पुलिया टंचिंग यार्ड, मणि कंचन केन्द्र के सामने स्थित गौसेवा प्रभु सेवा धाम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित 175वें साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत भारत माता की भव्य आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर HMGM जन सेवा समिति के अध्यक्ष लोकेश पांडेय अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में क्षेत्र में घूमने वाली गायों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के उद्देश्य से रेडियम बेल्ट पहनाई गई, जिससे रात में वाहन चालकों को दूर से ही गाय दिखाई दे सके। कार्यक्रम में दीपक यादव (गौ सेवा प्रमुख भिलाई), राजेश निषाद, सावरकर, नागेंद्र यादव, हलदर सिंह गुप्तेश्वर ,निकेश बघेल, तनीष्क ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयकारों के साथ हुआ।

शासकीय महाविद्यालय जामुल में इको टूरिज्म विषय पर सेमीनार का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय जामुल में इको टूरिज्म विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सतीश सेन सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान शासकीय वी.वाई. टी.पी.जी महाविद्यालय दुर्ग रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा व सरस्वती वंदना के द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। डॉ. सतीश सेन ने अपने व्याख्यान में बताया कि जैव विविधता का संरक्षण और स्थानीय समुदायों को रोजगार एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हैं। इसके द्वारा वन्य जीव, वन और सांस्कृतिक अस्मिता को सुरक्षित करते हुए प्रदूषण मुक्त पर्यटन व ज़िम्मेदारी से भ्रमण को बढ़ावा देना हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. सिंह ने बताया कि इको टूरिज्म के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण करते हुए पर्यटन को उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता हैं, ताकि इस क्षेत्र में स्थानीय निवासियों को रोजगार प्राप्त हो सके तथा वे सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त हो सके।

कार्यक्रम का सफल संचालन गजेंद्र कश्यप सहायक प्राध्यापक हिंदी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ. शशि कश्यप, डॉ. भावना माहुले, बलराज ताम्रकार, डॉ. रमेश कुमार मेश्राम, डॉ. संजय परगनिहा, श्रीमती विनीता परगनिहा, डॉ. अंजु माला साहू, पी हेमा राव, भुनेश्वर साहू, सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. रचना चौधरी के द्वारा किया गया ।

सभी बालिकाओं तक यह जीवन रक्षक वैक्सीन पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता–कलेक्टर सिंह

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर दुर्ग से स्वास्थ्य सुरक्षा की बड़ी शुरुआत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले में बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए जीवन रक्षक एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन अभियान का शुभारंभ दुर्ग सांसद विजय बघेल के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी बालिकाओं तक यह जीवन रक्षक वैक्सीन पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार महिलाओं में पाए जाने वाले प्रमुख कैंसर में सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर समस्या है और अनुमानतः प्रत्येक 6 कैंसर पीड़ित महिलाओं में से 1 महिला इस बीमारी से प्रभावित होती है। समय पर टीकाकरण से इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ने जिले में व्यापक स्तर पर टीकाकरण की तैयारी प्रारंभ कर दी है। कलेक्टर द्वारा जिला अस्पताल दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. आशीष कुमार मिंज को निर्देशित किया गया कि सभी टीकाकरण स्थलों पर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सिविल सर्जन दुर्ग ने बताया कि यह टीका जिला अस्पताल में सुबह 9 बजे से 2 बजे तक लगेगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष प्रिया साहू भी उपस्थित रहीं और अभियान के सफल संचालन हेतु अपना सहयोग प्रदान किया। वहीं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर सी.बी. बंजारे उपस्थित रहे। सामान्य रूप से बाजार में इस वैक्सीन की कीमत लगभग 4000 रुपये तक होती है, किंतु शासन की पहल और जिला प्रशासन के प्रयासों से इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक बालिकाओं तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में 17 मार्च से 21 अप्रैल तक आयोजित होने वाले शिशु संरक्षक माह (एसएसएम) के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि आवश्यक माइक्रोप्लान तैयार कर 6 माह से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि शिशु संरक्षक माह के अंतर्गत संचालित टीकाकरण, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को सफल बनाया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से इस अभियान को सफल बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा पात्र बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

पाप मोचनी एकादशी को पुरई परिक्षेत्र के ग्राम हनोदा में मनाई गई कर्मा जयंती

हनोदा ग्रामीण साहू संघ का हर एक सदस्य और पदाधिकारी जयंती पर रहे समर्पित

शिविर में 75 युवाओं ने किया रक्तदान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पाप मोचनी एकादशी के दिन जन्म लेने वाली साहू समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि माता कर्मा की परिक्षेत्रीय स्तरीय दो दिवसीय कर्मा की 1010 वीं जयंती पर समाज की महिलाओं ने झांकी के साथ कलश यात्रा निकाली। पाप मोचनी एकादशी के दिन ग्रामीण साहू संघ हनोदा के सहयोग से ग्राम हनोदा में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

पुरई परिक्षेत्र में बसे इस गांव के समाज का इस कर्मा जयंती आयोजन में उल्लेखनीय पहल ये रही कि समाज के आव्हान पर रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़चढ़ कर अपना योगदान दिया। रक्तदान करने वाले युवाओं को समाज की ओर से हेल्मेट प्रदान किया गया। शिविर में 75 युवाओं ने रक्तदान किया। शिक्षा के क्षेत्र में बारह गांवों के इस परिक्षेत्र की इकाइयों के प्रथम श्रेणी में चयनित प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। सम्मान की इस कड़ी में सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों के साथ समाज के लिए हमेशा योगदान दे रही महिलाएं भी हिस्सेदार बनीं।

ग्रामीण साहू संघ हनोदा के अध्यक्ष राजेश साहू और पुरई परिक्षेत्र के अध्यक्ष लोकनाथ साहू ने कहा कि रक्तदान शिविर में जिन युवाओं की भागीदारी रही है विषम परिस्थितियों में उनके परिवार को रक्त की आवश्यकता पड़ी तो सहयोग के लिए परिक्षेत्र साहू संघ पुरई साथ खड़ा रहेगा।

उन्होंने जयंती में महिलाओं की सहभागिता की प्रशंसा करते हुए सभी को समाज की हर गतिविधि में समर्पित रहकर काम करने का संदेश दिया। कर्मा जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व कैबिनेट मंत्री रामशिला साहू, प्रदेश साहू संघ के रमेश साहू, तहसील अध्यक्ष पूसउराम साहू और पुरई परिक्षेत्र के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में अंतर-विभागीय एथलेटिक्स मीट-2026 का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित भिलाई इस्पात संयंत्र अंतर-विभागीय एथलेटिक्स मीट-2026 (पुरुष एवं महिला वर्ग) का आयोजन 14 मार्च को सेल एथलेटिक्स अकादमी, सेक्टर-4 में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र एथलेटिक्स क्लब के अध्यक्ष अजय कुमार रहे, वहीं समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर रहे। इस अवसर पर संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग) राजेंद्र प्रसाद ने प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस एथलेटिक्स मीट में संयंत्र के विभिन्न विभागों से लगभग 95 कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों के प्रतिभागी शामिल थे। प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 12 स्पर्धाएँ आयोजित की गईं, जिनमें पुरुष एवं महिला वर्ग की प्रतियोगिताएँ अलग-अलग आयोजित की गईं।

पुरुष वर्ग की दौड़ प्रतियोगिताओं में 100 मीटर में कोक ओवन विभाग के प्रवीण चापले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में मेडिकल विभाग के ज्ञान सिंह प्रथम रहे, जबकि 400 मीटर दौड़ में राजहरा माइंस के प्रशांत मीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में एसपी-2 के बीआर नेलाम विजेता रहे। लंबी कूद प्रतियोगिता में मेडिकल विभाग के ज्ञान सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग की भाला फेंक स्पर्धा में यूनिवर्सल रेल मिल के वेंकटरमना प्रथम रहे, वहीं गोला फेंक प्रतियोगिता में राजहरा माइंस के कृष्णा मूर्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महिला वर्ग की स्पर्धाओं में 100 मीटर तथा 200 मीटर दौड़ में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की सुश्री लेरीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में एसएमएसइइ3 की सुश्री सरस्वती विजेता रहीं। महिला वर्ग की भाला फेंक प्रतियोगिता में ईआरएस की सुश्री दुर्गेश प्रधान प्रथम रहीं, जबकि गोला फेंक प्रतियोगिता में एचआर-वर्क्स की सुश्री रमा उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन की सराहना की गई। इस अवसर पर संयंत्र प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी खेल गतिविधियों में इसी प्रकार सक्रिय सहभागिता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईआईटी भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण : दो विद्यार्थियों का चयन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिला दुर्ग के तीनों विकासखंड—दुर्ग, धमधा तथा पाटन—के शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के चयनित विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट के लिए आईआईटी भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी संस्थानों के वातावरण से परिचित कराना तथा उनमें विज्ञान और अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना रहा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम हायर सेकेंडरी स्कूल जामगांव (आर) के दो विद्यार्थियों का चयन किया गया। इनमें अंग्रेजी माध्यम के डोमेश ठाकुर (पिता पुरुषोत्तम ठाकुर), कक्षा 11वीं तथा हिंदी माध्यम की कुमारी भुनेश्वरी साहू (पिता हेमंत कुमार साहू), कक्षा 11वीं शामिल हैं।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को आईआईटी भिलाई के विभिन्न शिक्षाविदों को सुनने और उनसे संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही विद्यार्थियों ने संस्थान की ओआरएल लैब, टेक लैब सहित अन्य आधुनिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर वहां चल रहे तकनीकी कार्यों को नजदीक से देखा। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में विकासखंड समन्वयक की भूमिका में शाला की श्रीमती विनीता सुधीर का विशेष योगदान रहा। वहीं शाला की प्राचार्य श्रीमती कविता साहू ने विद्यार्थियों को आईआईटी भ्रमण के लिए प्रोत्साहित किया तथा पालकों से भी संवाद किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पाटन क्षेत्र की पंचायतों को जल्द मिलेगी गौण खनिज अनुदान राशि – कीर्ति नायक

दुर्ग। जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2021-22 की लंबित गौण खनिज अनुदान राशि जल्द मिलने की संभावना है। इस संबंध में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने राज्य शासन के खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव पी. दयानंद से मुलाकात कर पंचायतों की ओर से अपनी मांग रखी। मुलाकात के दौरान श्रीमती नायक ने बताया कि पाटन क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में गौण खनिज से संबंधित अनुदान राशि लंबे समय से लंबित है, जिसके कारण पंचायतों में होने वाले विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने पंचायतों के विकास और ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लंबित राशि का शीघ्र भुगतान करने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव पी. दयानंद ने आश्वासन दिया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 की लंबित गौण खनिज अनुदान राशि को मार्च माह के भीतर पंचायतों के खातों में अंतरित करने की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर प्रारंभ कर दी गई है। जनपद अध्यक्ष श्रीमती नायक ने विश्वास जताया कि राशि जारी होने से क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में लंबित विकास कार्यों को गति मिलेगी और ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान : सिकोला पटरी पार मंडल का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत सिकोलापटरी पार मंडल द्वारा अग्रसेन भवन में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठनात्मक गतिविधियों और विचारधारा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, अनुशासन और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत होते हैं।

प्रशिक्षण वर्ग में दुर्ग महापौर श्रीमती अलका बाघमार विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की कार्यप्रणाली, सेवा कार्यों और जनसंपर्क को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण वर्ग के दौरान जिले से आए वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को सात स्तरीय प्रशिक्षण दिया। इसमें संगठन की कार्यप्रणाली, भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, कार्यकर्ता की भूमिका, जनसंपर्क और संगठन विस्तार जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी, पार्षदगण, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता, महिला मोर्चा की पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग को आवासीय स्वरूप देते हुए सभी कार्यकर्ताओं ने अग्रसेन भवन में रात्रि विश्राम भी किया, जिससे संगठनात्मक संवाद, आपसी समन्वय और कार्यकर्ताओं के बीच आपसी जुड़ाव को और अधिक मजबूती मिली।

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संतुलित संबोधन प्रेरक : डॉ. रमन सिंह

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव को सदन द्वारा अस्वीकार किए जाने को भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता, संसदीय परंपराओं और संस्थागत मर्यादा के प्रति गहरी आस्था का सशक्त उदाहरण बताया है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह निर्णय केवल एक संसदीय प्रक्रिया का परिणाम नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि भारतीय लोकतंत्र में संस्थाओं की गरिमा, निष्पक्षता और मर्यादा सवीपरि है। उन्होंने सदन में जिस स्पष्टता, गंभीरता और विवेक के साथ सदस्यों ने अपना मत व्यक्त किया, उसे भारतीय लोकतांत्रिक चेतना की परिपक्वता का संकेत बताया। अविश्वास प्रस्ताव पर निर्णय के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा सदन को संतुलित, विचारपूर्ण और गरिमामय ढंग से संबोधित किए जाने को डॉ. रमन सिंह ने अत्यंत प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद की निष्पक्षता, संसदीय नियमों की सवोच्चता और संसद की गौरवशाली परंपराओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भारतीय संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना को प्रतिबिंबित करती है।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ें केवल आधुनिक संवैधानिक ढांचे में ही नहीं, बल्कि हमारी दीर्घ बौद्धिक और नैतिक परंपरा में भी निहित हैं। इस परंपरा में शासन और सार्वजनिक जीवन को सत्य, उत्तरदायित्व, संवाद और मर्यादा के आधार पर संचालित करने की कल्पना की गई है। उन्होंने केंद्रीय विधानसभा के पहले अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि अध्यक्ष का पद केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह सदन की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और गरिमा का प्रतीक होता है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर नियमों और परंपराओं की रक्षा का आदर्श प्रस्तुत करने से भारतीय संसदीय जीवन में अध्यक्ष पद की निष्पक्षता की स्थायी परंपरा स्थापित हुई। उन्होंने संविधान सभा की बहसों का हवाला देते हुए याद दिलाया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि संविधान कितना भी उत्कृष्ट क्यों न हो, यदि उसे संचालित करने वाले लोग उसके प्रति निष्ठावान नहीं होंगे, तो वह सफल नहीं हो सकेगा। यही दृष्टि आज भी संसदीय आचरण के लिए मार्गदर्शक है। डॉ. रमन सिंह ने स्वतंत्र भारत के संसदीय इतिहास में ऐसे अवसरों का भी जिक्र किया जब लोकतांत्रिक परिपक्वता के उत्कृष्ट उदाहरण सामने आए। प्रथम लोकसभा के गठन के समय जीवी मावलंकर ने अध्यक्ष पद की गरिमा पर बल देते हुए कहा था कि अध्यक्ष का आसन किसी दल या व्यक्ति का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि पूरे सदन की सामूहिक चेतना और विश्वास का प्रतीक होता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है, विविध विचारों का सम्मान करता है और संवाद के माध्यम से सहमति का मार्ग खोजता है। संसद इसी लोकतांत्रिक चेतना का सवोच्च मंच है, जहां व्यक्त प्रत्येक विचार देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। डॉ. रमन सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में संसद अपनी गौरवशाली संसदीय परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ करेगी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संवाद, रचनात्मक विमर्श और संस्थागत गरिमा के आदर्शों को नई ऊर्जा मिलेगी, जिन पर भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा आधारित है। डॉ. रमन सिंह ने ओम बिरला को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में लोकसभा संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती रहेगी।

खास खबर

अबूझमाड़ की बेटी वनिता नेताम ने आदि पर्व 2026 में रचा इतिहास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नवा रायपुर स्थित आदिवासी संग्रहालय में 13 एवं 14 मार्च 2026 को आयोजित 'आदि पर्व 2026' में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की भव्य झलक देखने को मिली। इस आयोजन में प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के प्रतिभागियों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, लोक नृत्य, गीत और सांस्कृतिक परंपराओं की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से शामिल हुई प्रतिभागी वनिता नेताम ने पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा में मंच पर अपनी संस्कृति की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी पारंपरिक पोशाक और आभूषणों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया और उपस्थित दशर्को का ध्यान अपनी ओर खींचा।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित ट्राइबल अटायर शो को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भाग लेकर वनिता नेताम ने भी अपना नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया, जो नारायणपुर जिले और अबूझमाड़ क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। आदि पर्व 2026 का आयोजन आदिवासी संस्कृति, परंपरा और विरासत को संरक्षित करने तथा उसे देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया। इस मंच के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को व्यापक पहचान मिल रही है।

डिजिटल सुशासन व शासकीय खरीद में पारदर्शिता की ओर सशक्त कदम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर के सिविल लाइन्स स्थित न्यू सर्किट हाउस में सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित इलेक्ट्रानिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कायर्शाला का शुभारंभ हुआ। चिप्स एवं एनआईसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में शासकीय खरीद में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए राज्य के समस्त विभागों को नवीन प्रोक्योरमेंट प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जाना है। कार्यशाला के प्रथम दिन लोक कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, गृहनिर्माण विभाग, पर्यटन विभाग सहित 50 विभागों के नोडल अधिकारी शामिल हुए, जिन्हें एनआईसी नई दिल्ली से श्रीमती उषा सक्सेना, उप-महासंचालक के नेतृत्व में आये पांच सदस्यी दल द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रभात मलिक ने बताया वर्तमान ई-खरीद प्रणाली दस वर्षो से कार्यशील है, वर्तमान प्रोक्योरमेंट प्रणाली से एनआईसी द्वारा विकसित नवीन जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम की ओर माइग्रेशन प्रदेश के लिए एक नई और सशक्त शुरुआत है। श्री मलिक ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने हेतु योगदान के लिए प्रोत्साहित किया।

राज्य के विभिन्न विभागों के प्रोक्योरममेंट से सम्बन्धित नोडल अधिकारीयों को नवीन प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली की उप-महासंचालक एवं ई-प्रोक्योरमेंट ग्रुप प्रमुख श्रीमती उषा सक्सेना ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल सुशासन नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि टेंडर में सबसे जरूरी तत्व पारदर्शिता दक्षता और समानता हैं, यानि टेंडर प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध रहना। एनआईसी का जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम इन सभी जरूरी मानकों को पूर्ण करता है। श्रीमती उषा सक्सेना ने बताया कि जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 5-6 हजार निविदाएं हैंडल की जा रही हैं। इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला के द्वितीय प्रशिक्षण सत्र में ई-खरीद से संबंधित शासकीय नीतियों, बेस्ट प्रैक्टिस, सॉफ्टवेयर फीचर के विषय में विस्तार से बताया जायेगा।

अपने स्वागत उद्बोधन में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी टीएन सिंह ने कहा कि जेपनिक प्रोक्योरमेंट प्रणाली ई-सुशासन की दिशा में नया कदम है, यह एक कॉम्प्रेहेंसिव ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली है। इस स्केलेबल प्रणाली को राज्य की जरूरतों के अनुरूप री-स्ट्रक्चर और कस्टमाइज किया गया है। विभिन्न सुरक्षा फीचरों से सुसज्जित यह सिस्टम शासन की हर जरूरतों और चुनौतियों को कवर करता है।

उल्लेखनीय है कि जेपनिक ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम शासकीय खरीद के लिए विकसित एक केंद्रीय ई-खरीद प्रणाली है जिससे देश के 31 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश जुड़े हुए हैं। इस कायर्शाला में दो दिनों तक नवीन ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली से संबद्ध डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेशन, कॉन्फिगरेबल फंक्शनलिटी, ई-ऑक्शन, टेंडर प्रिपरेशन, प्राइस बिड सहित विभिन्न फीचरों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, मेट्रो रेल आदि की केस स्टडी के माध्यम से ई-प्रोक्योरमेंट बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में बताया जायेगा। साथ ही जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर प्रश्नोत्तरी के दौरान उपस्थिति अधिकारियों की जिज्ञासा का समाधान किया।

कार्यशाला में चिप्स के मुख्य कायर्पालन अधिकारी प्रभात मलिक के साथ-साथ पी रामाराव, एनआईसी, चिप्स के संयुक्त मुख्य कायर्पालन अधिकारी अनुपम आशीष टोप्पो, एसईएमटी हेड आशीष जायसवाल सहित लोक कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, गृह निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग आदि 50 से अधिक विभागों के 130 से अधिक नोडल अधिकारी शामिल हुए।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का त्याग और बलिदान देश की अमूल्य धरोहर : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय कक्ष में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को 23 मार्च को बेमेतरा जिले में आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए संस्था के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान देश के इतिहास में अमूल्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। यह केवल कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देशभक्ति, समर्पण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देने का भी सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं और स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिरीष शर्मा, डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी, ललित मिश्रा, विनायक दीवान सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सशक्त पंचायत नेत्री अभियान का राष्ट्रीय सम्मेलन में फुलकर्रा की सरपंच चुड़ामणि ने बढ़ाया जिले का मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-नईदिल्ली

नई दिल्ली में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित सशक्त पंचायत नेत्री अभियान के राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से चयनित महिला सरपंचों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में गरियाबंद जिले के ग्राम पंचायत फुलकर्रा की सरपंच चूड़ामणि दीवान भी शामिल हुई और राष्ट्रीय मंच पर जिले का मान बढ़ाया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों की कुल 9 महिला सरपंचों को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने पंचायत स्तर पर किए जा रहे कार्यों और महिला नेतृत्व की भूमिका पर अपने अनुभव साझा किए। सम्मेलन का उद्देश्य पंचायतों में महिला जनप्रतिनिधियों को सशक्त बनाना और उनके कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। केंद्र सरकार द्वारा कार्यक्रम में शामिल होने वाली सभी महिला सरपंचों के लिए आने-जाने की एयर टिकट की व्यवस्था निःशुल्क की गई थी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने का अवसर मिला।

इस अवसर पर सरपंच चूड़ामणि दीवान ने जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, उप संचालक पद्मनी हरदेल, जनपद पंचायत सीईओ कुमार सिंह नागेश सहित जिला प्रशासन और ग्राम पंचायत फुलकर्रा के समस्त जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया।

भाठागांव सड़क निर्माण में देरी पर महापौर चौबे हुईं नाराज, ठेकेदार को नोटिस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड़ तक बन रही इको-फ्रेंडली सड़क के निर्माण में देरी पर महापौर मीनल चौबे ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। नगर निगम के कार्यपालन अभियंता ने ठेकेदार नरेश & कंपनी को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर डामरीकरण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम रायपुर द्वारा 15वें वित्त आयोग की मद से सड़क निर्माण कराया जा रहा है। अनुबंधित एजेंसी को नोटिस में स्पष्ट किया गया कि निर्धारित समय के बावजूद अब तक डामरीकरण कार्य शुरू नहीं किया गया। पहले 18 फरवरी 2026 को भी एजेंसी को काम की गति बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कार्य नहीं शुरू होने के कारण निगम प्रशासन नाराज है।

भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड़ तक के मार्ग पर यातायात का भारी दबाव रहता है। निर्माण कार्य में देरी से न केवल परियोजना की प्रगति प्रभावित हो रही है, बल्कि नगर निगम की छवि भी प्रभावित हो रही है। आम जनता और जनप्रतिनिधियों में नाराजगी बढ़ रही है। कार्यपालन अभियंता ने ठेकेदार को चेतावनी दी है कि तीन दिन के भीतर डामरीकरण कार्य शुरू करना अनिवार्य है। यदि निर्धारित समय में काम शुरू नहीं किया गया तो अनुबंध की कंडिका 2 और 3 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सड़क निर्माण का समयबद्ध होना न केवल यातायात सुगमता के लिए आवश्यक है, बल्कि शहर की सुरक्षा और पर्यावरण अनुकूल सड़क निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है। इस परियोजना में इको-फ्रेंडली तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें सड़क निर्माण में पर्यावरण सुरक्षा और दीर्घकालीन टिकाऊपन पर ध्यान दिया जा रहा है। ठेकेदार की देरी से योजना प्रभावित होने के साथ ही परियोजना लागत में भी संभावित वृद्धि की आशंका है। नगर निगम प्रशासन ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि सड़क निर्माण के दौरान असुविधा को समझें और समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन करें।

एमआईसी की बैठक, 21 एजेंडों पर चर्चा कर एजेंडावार दिए गए निर्देश

नगर पालिक निगम में महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल बैठक में 21 निर्धारित एजेण्डों पर चर्चा की गयी और विचार उपरांत एजेंडावार आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में एमआईसी ने रायपुर नगर पालिक निगम के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों की अनुशंसा कर नियमानुसार रायपुर नगर पालिक निगम सामान्य सभा की बैठक में चर्चा हेतु विचारार्थ रखने के निर्देश दिए। महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक में रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त विश्वदीप, एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, मनोज वर्मा, अवतार भारती बागल, संतोष सीमा साहू, दीपक जायसवाल, नंदकिशोर साहू, खेम कुमार सेन, भोलाराम साहू, श्रीमती सरिता आकाश दुबे, डॉ अनामिका सिंह, श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, श्रीमती संजना संतोष हियाल सहित अपर आयुक्त गणों, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंतागणों, उपायुक्तगणों, जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंतागणों, सभी विभागों के प्रभारी अधिकारीगणों की नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष एमआईसी बैठक कक्ष में उपस्थिति रही।

ई-ऑफिस वर्क, श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य सचिव ने किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने आज यहां मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित ई-ऑफिस सम्मान समारोह में जनवरी एवं फरवरी माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से नस्तियों के त्वरित निस्तारण और समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जनवरी माह की विभागीय रैंकिंग में गृह विभाग ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। समाज कल्याण विभाग ने 86.76 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि धर्मस्व विभाग ने 86.58 प्रतिशत अंक अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग से शासन की कार्यप्रणाली में पारदशिर्ता, गति और जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने सभी विभागों से इसी प्रकार दक्षता के साथ कार्य करने और निरंतर बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने की अपेक्षा की।

समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जनवरी माह में ई-ऑफिस में उल्लेखनीय कार्य करने वाले में संयुक्त सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की जयश्री जैन, द्वितीय स्थान में अनुसूचित जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव अनुपम त्रिवेदी, उप सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में सामान्य प्रशासन-एक के उप सचिव किशोर कुमार भुआर्य, द्वितीय स्थान में सामान्य प्रशासन-6 के उप सचिव ऋतु वर्मा, तृतीय स्थान में समाज कल्याण विभाग के उप सचिव स्वर्गीय रामलाल खैरवार, अवर सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में विधि एवं विधायी विभाग के अवर सचिव अरूण कुमार मिश्रा, द्वितीय स्थान में अवर सचिव गृह विभाग पूरन लाल साहू, तृतीय स्थान में अवर सचिव सामान्य प्रशासन-1 के कैलाश कुमार नेताम, तृतीय स्थान में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव सत्य नारायण श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी श्रेणी में प्रथम स्थान में अनुभाग अधिकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मणिराम रात्रे, द्वितीय स्थान में अनुभाग अधिकारी सामान्य प्रशासन-(1, 4) के नंद कुमार मेश्राम, तृतीय स्थान में अनुभाग अधिकारी पंचायत विभाग लीलाम्बर ओहदार, वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में प्रथम स्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक दौलतराम वर्मा, द्वितीय स्थान में खेल विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक मुकेश राम प्रधान, तृतीय स्थान में गृह विभाग के

वरिष्ठ सचिवालय सहायक रामगोपाल सेन, कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में प्रथम स्थान में सामान्य प्रशासन-1 के कनिष्ठ सचिवालय सहायक राम कुमार सिंग, द्वितीय स्थान में जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ सचिवालय सहायक प्रदीप कुमार, तृतीय स्थान सामान्य प्रशासन विभाग-2 के कनिष्ठ सचिवालय सहायक सुरेन्द्र कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रेणी में प्रथम स्थान में वन विभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटर माया देवांगन, द्वितीय स्थान में स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक ग्रेड-2 ललीत साहू, द्वितीय स्थान में (तकनीकी) कम्प्यूटर ऑपरेटर दीपेश कुमार साहू।

फरवरी माह में ई-ऑफिस में उल्लेखनीय कार्य करने वाले में संयुक्त सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में आदिम जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव भूपेन्द्र कुमार राजपूत, द्वितीय स्थान में अतिरिक्त सचिव सत्यनारायण श्रीवास्तव, तृतीय स्थान में परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव कमलेश बंसोड़, उप सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान में गृह विभाग के उप सचिव रामप्रसाद चौहान, द्वितीय स्थान में सामान्य प्रशासन-1 के उप सचिव किशोर कुमार भूआर्य, तृतीय स्थान में सामान्य प्रशासन-8 के उप सचिव अंशिका ऋषि पांडे, द्वितीय स्थान में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव सत्यनारायण श्रीवास्तव, अवर सचिव श्रेणी में प्रथम स्थान गृह विभाग अवर सचिव पूरनलाल साहू, द्वितीय स्थान पंचायत विभाग अवर सचिव विश्वनाथ नाग, तृतीय स्थान में सामान्य प्रशासन-1 के अवर सचिव कैलाश कुमार नेताम, अनुभाग अधिकारी श्रेणी में प्रथम स्थान में सामान्य प्रशासन-(1, 4) अनुभाग अधिकारी नंदकुमार मेश्राम, द्वितीय स्थान में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अनुभाग अधिकारी मणिराम रात्रे, तृतीय स्थान में पंचायत विभाग के अनुभाग अधिकारी शिवकुमार गोड़, सहायक अनुभाग अधिकारी श्रेणी में प्रथम स्थान में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के ओंकार राम भूआर्य, वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में प्रथम स्थान में मुख्य सचिव कार्यालय के वरिष्ठ सचिवालय सहायक राकेश संतयाल, द्वितीय स्थान खेल विभाग के वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्याम लाल साहू, कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में प्रथम स्थान में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के कनिष्ठ सचिवालय सहायक प्रमोद कुमार, द्वितीय स्थान में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के कनिष्ठ सचिवालय सहायक सतकुमार भास्कर, तृतीय स्थान में सामान्य प्रशासन-1 के कनिष्ठ सचिवालय सहायक रामकुमार सिंग, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रेणी में प्रथम स्थान में कम्प्यूटर ऑपरेटर (तकनीकी) दीपेश कुमार साहू, द्वितीय वन विभाग डाटा एंट्री ऑपरेटर माया देवांगन, तृतीय स्थान में स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक ग्रेड-2 ललित साहू।

जनवरी माह में उपस्थिति में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले में प्रथम स्थान पर रहने वाले आशीष कुमार शर्मा (अनुभाग अधिकारी), छबि लाल साहू, (निज सचिव), पवन कुमार साहू (सहायक अनुभाग अधिकारी), फरवरी माह में उपस्थिति में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले में प्रथम स्थान में 22 अधिकारी-कमर्चारी निम्न है- सहायक अनुभाग अधिकारी अजित कुमार चंद्रवंशी, वरिष्ठ सहायक सचिवालय सुश्री अंजू पटेल, सहायक अनुभाग अधिकारी आशुतोष वर्मा, अनुभाग अधिकारी बसंत कुमार ध्रुर्वे, निज सहायक बिरेन्द्र कुमार, सहायक अनुभाग अधिकारी छवि राम साहू, अवर सचिव क्लेमेन्टीना लकरा, सहायक अनुभाग अधिकारी देवेन्द्र साहू, अवर सचिव हेमंत कुमार पांडे, सहायक अनुभाग अधिकारी लोक नारायण शर्मा, वरिष्ठ सचिवालय सहायक प्रदीप कुमार साव, वरिष्ठ सचिवालय सहायक प्रमिला यादव, वरिष्ठ सचिवालय सहायक पुरूषोत्तम लाल निषाद, भृत्य राज कुमार सोरी, अवर सचिव राजीव कुमार झाड़े, अवर सचिव रातु लाल ध्रुव, वरिष्ठ सचिवालय सहायक सुनीता साहू, वरिष्ठ सचिवालय सहायक सूरज कुमार साहू, वरिष्ठ सचिवालय सहायक तारा कुजूर, सहायक अनुभाग अधिकारी विनोद कुमार अथनकर, सहायक अनुभाग अधिकारी योगेन्द्र कुर्रे, अनुभाग अधिकारी युवराज साहू कार्यक्रम में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संपादकीय

पांच राज्यों में इस बार होगा सबसे तेज चुनाव

देश में हर साल दो साल में राज्यों के चुनाव होते रहते हैं। एक राज्य का चुनाव खत्म होता है तो इसी के साथ ही देश के राजनीतिक दल अगले चुनाव की तैयारी शुरू कर देते हैं।यानी चुनावी तैयारी कहा जाए तो हमेशा चलती रहती है। जिस राज्य में जो सत्ता में रहता है वह चुनाव की तारीख घोषित होने के पहले ही चुनाव जीतने की तैयारी शुरू कर देता है। बिहार चुनाव के बाद राजनीतिक दलों को मालूम था कि 2026 में पांच राज्यों के चुनाव होने हैं। जो दल राज्यों में सत्ता में है, वह अपनी सत्ता बचाने के लिए जो कुछ कर सकते हैं, वह सब चुनाव की तारीखों की घोषणा के पहले ही कर चुके हैं। जिन्हें सत्ता हासिल करनी है उन्होंने भी हर राज्य में तैयारी शुरू कर दी है। नेताओं की रैली का सिलसिला शुरू हो चुका है। इंतजार था कि चुनाव आयोग तारीख की घोषणा कब करता है।

चुनाव आयोग ने रविवार को पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। जहां चुनाव होने हैं, वह राज्य हैं पं.बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम व पुड्डुचेरी। पांच राज्यों में से पं.बंगाल ही ऐसा राज्य हैं जहां दो चरणों में 23 व 29 अप्रैल को चुनाव होना है,बाकी राज्यों तमिलनाडु,असम,केरल व पुड्डुचेरी में 9 अप्रैल को चुनाव होना है। पांच राज्यों के चुनाव के साथ ही 6 राज्यों गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड व त्रिपुरा की आठ सीटों पर उपचुनाव होने हैं। पांच राज्यों के चुनाव में 824 सीटों के लिए कुल 17.4 करोड मतदाना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। पं.बंगाल में पहले चरण में 150 व दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान होगा।

दिनों के हिसाब से देखा जाए तो 9 से 29 अप्रैल के बीच होने वाला चुनाव 21 दिन में पूरा हो जाएगा। यानी पिछले चुनावों को देखा जाए तो चुनाव आयोग इस बार कम दिनों में चुनाव कराने की कोशिश की है।इस चुनाव सुधार के तौर पर देखा जाए तो यह तेज चुनाव माना जा सकता है। इससे पहले चुनाव आयोग ने 2006 में 35 दिन में,2011 में 36 दिन में,2016 में 43 दिन, 2021 में 34 दिन में चुनाव पूरा हुआ था।इस आधार पर कहा जा सकता है कि चुनाव आयोग कोशिश कर रहा है कि राज्यों में चुनाव एक दिन में ही हो जाए ताकि चुनाव में जो भारी खर्च होता है व कम से कम हो सके।

चुनाव के बाद जब मतगणना होती थी तो मतदान के आंकड़ों को लेकर राजनीतिक दलों की शिकायत रहती थी कि मतदान व मतगणना के आंकड़े जल्द नहीं बताए जाते हैं। इस बार चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की इस शिकायत को दूर करने के लिए व्यवस्था की है कि मतदान के तुरंत बाद मतदान प्रतिशत की जानकारी जारी की जाएगी। मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी मतदान केंद्रों पर तैनात पीठासीन अधिकारी हर दो घंटे में मतदान के आंकड़े को अपडेट करेंगे। मतदान पूरा होने पर डाटा जल्द से जल्द पूरा करना होगा। यानी चुनाव आयोग की इस बार कोशिश होगी कि मतदान व मतगणना पारदर्शी हो, राजनीतिक दलों को कोई शिकायत न हो।

बिहार के बाद पांच राज्यों में जो चुनाव हो रहे हैं, वह इसलिए भी खास हैं कि इन पांचों राज्य मे एसआईआर के बाद चुनाव हो रहे हैं यानी पांचों राज्य में एसआईआर में लाखों लोगों के नाम कटे हैं। इससे माना जा रहा है कि इस बार बिहार की तरह पांचों राज्य में मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है और रिजल्ट कई राजनीतिक दलों की अपेक्षा के विपरीत हो सकता है जैसा की बिहार में हुआ था। सब मानकर चल रहे थे कि सरकार के खिलाफ नाराजगी है, जनता बदलाव चाहती है लेकिन जनता ने फैसला सुनाया कि जो सरकार है,वही अच्छी है। हो सकता है कि पांचों राज्यों में भी यही फैसला जनता करे और यह भी हो सकता है कि ऐसा न हो।

तमिलनाडु में डीएमके सत्ता में है और वह लगातार दो बार सत्ता में आने का नया रिकार्ड बनाना चाहता है। पं,बंगाल में ममता बैनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता मे वापसी का प्रयास कर रही है, केरल में लेफ्ट लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए चुनाव मैदान मे उतरेगा।असम में एनडीए लगातार तीसरी सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाएगा और पुड्डुचेरी में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का प्रयास कर करेगा। जहां भाजपा की सरकार है, वहां तो भाजपा कई बार दूसरी और कई बार तीसरी बार सरकार बनाने में सफल रही है। इसलिए जहां भाजपा की सरकार है, वहां भाजपा की सरकार वापसी की ज्यादा उम्मीद की जा रही है। लेकिन जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां भाजपा के पास खोने को कुछ नहीं है, जो मिल जाए वह बेहतर माना जाएगा। यानी केरल, तमिलनाडु व पं बंगाल में पार्टी का प्रदर्शन पिछले चुनाव से बेहतर हो तो भी यह भाजपा के लिए अच्छा माना जाएगा। कांग्रेस केरल व असम में सत्ता में आती है तो ही उसकी बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। तमिलनाडु, पं.बंगाल में वह पिछले प्रदर्शन से कुछ अच्छा कर ले यही उसके लिए बहुत होगा।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद गड़बड़ाई विश्व व्यवस्था

दूसरे विश्व युद्ध के बाद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो दुनिया ने सभ्य होने की तरफ लगातार कदम बढ़ाए। लेकिन इक्कीसवीं सदी का चौथाई हिस्सा बीतने के बाद लग रहा है कि एक बार फिर दुनिया आधुनिकता की चादर लपेटे मध्य युगीन बर्बरता की ओर बढ़ रही है। 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ऐसी सोच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। इस हमले में ईरान के सवोच्च नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह मुसावी खोमैनी समेत कई सैन्य अधिकारियों की मौत ने दुनिया को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है। दुनिया के कमजोर देश एक बार फिर आशंकित हो उठे हैं। उन्हें यह डर सताने लगा है कि अमेरिका के खिलाफ अगर उन्होंने नीतियां अपनाईं तो हो सकता है कि अमेरिका अपने तरीके से योजना बनाकर उस पर हमला कर दे।

अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए जिन कारणों को गिनाया है, उनमें सबसे प्रमुख कारण है, ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकना, ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना और वहां की मौजूदा शासन व्यवस्था को बदलना है। अमेरिका ने तर्क दिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के करीब था, जो दुनिया और क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए एक "अस्वीकार्य सुरक्षा खतरा" है। ट्रंप का कहना है कि ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को त्यागने के हर अवसर को ठुकरा दिया था। ट्रंप का यह भी कहना है कि उसके 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का उद्देश्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल सुविधाओं और नौसैनिक संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट करना है।

यह ठीक है कि अयातुल्ला खोमैनी की अगुआई वाले ईरान में इस्लामिक शासन व्यवस्था काम कर रही है, जिसे उसके नागरिकों के बड़े वर्ग का समर्थन हासिल नहीं था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ईरान की संप्रभुता को चोट पहुंचाई जाए। अमेरिका ने वही किया है। अगर ईरान की जनता अयातुल्ला खोमैनी के शासन को खत्म करती तो और बात होती, लेकिन अमेरिकी हमले में खोमैनी का मारा जाना दूसरे तरह की बात है। इससे आने वाले दिनों में कई खतरे उत्पन्न होंगे। ईरान पर हमले के बाद यह आशंका बढ़ गई है कि अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ दुनिया में क्रोध पनपे। यह भी हो सकता है कि आतंकी घटनाएं बढ़ें। गुरिल्ला युद्ध और ईरान समर्थित ताकतों द्वारा आतंकवाद के मुखौटे में अमेरिका और उसके समथर्कों को निशाना बनाया जाए। इससे दुनिया की चिंताएं बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है।

अमेरिका की सैन्य कार्रवाइयों का हालिया इतिहास बताता है कि उनका घोषित उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। नौ सितंबर 2011 को न्यूयार्क के ट्विन टॉवर पर हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद का खात्मा करने के लिए अफगानिस्तान स्थित तालिबान और अलकायदा पर कार्रवाई की थी, उस अफगानिस्तान में अब तालिबान का शासन फिर से स्थापित हो चुका है। अफगानिस्तान को छोड़कर भागने का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति रहते जो बाइडेन ने लिया था। अफगानिस्तानी तालिबान पर हमले का एक मकसद वहां लोकतंत्र की स्थापना थी, लेकिन अब वहां तालिबान का इस्लामी शासन है और अमेरिका किनारे है। दिलचस्प यह है कि अफगानिस्ता के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिस पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोग दिया था, वह पाकिस्तान अब अफगानिस्तान से जूझ रहा है।

इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के खिलाफ अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों के साथ सैन्य कार्रवाई शुरू की। उसका बहाना इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार होने को बनाया गया। दिलचस्प यह है कि इराक में सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो गया। तीस दिसंबर 2006 को उन्हें फांसी पर अमेरिका समर्थित न्याय तंत्र के जरिए लटका दिया गया, लेकिन इराक में अब तक ना तो लोकतंत्र आ पाया है और न ही शांति।

कुछ इसी तरह साल 2011 में लीबिया में अमेरिका ने सैन्य हस्तक्षेप किया। तब अमेरिका का उद्देश्य लीबिया के तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ हुए नागरिक विद्रोह को समर्थन देकर लीबिया में लोकतंत्र की स्थापना करना था। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को जरिया बनाया गया। इसके बाद 19 मार्च 2011 को अमेरिका ने अपने कुछ सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई हमले और मिसाइल हमले शुरू किए। तब से लेकर अब तक अमेरिका में कार्रवाई जारी है। अमेरिकी विशेष बलों ने बेंगाजी में 2012 के लीबिया के अमेरिकी राजनयिक मिशन पर हमले के आरोपी अहमद अबू खट्टाला को गिरफ्तार किया। इसके बाद अमेरिका ने 2015 से लेकर 2019 के बाद तक आईएसआईएस और अल-कायदा के खिलाफ ड्रोन और हवाई हमले जारी रखे। जबकि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच लीबिया के ही लोगों के हाथों तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी 20 अक्टूबर 2011 को मारे जा चुके थे। भीड़ ने उन्हें उनके गृह नगर सिर्त में पकड़ा गया और वहीं उनकी हत्या कर दी गई। तब से लेकर लीबिया अब भी जल रहा है और वहां शांति और लोकतंत्र अब तक इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के शासक निकोलस मादुरो को अमेरिकी सैनिकों ने तीन जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर लिया। तब से वे अमेरिकी कैद में हैं और वहां नया शासन स्थापित हो गया है। अमेरिका दावा करता है कि वह लोकतांत्रिक देश है। वह पूरी दुनिया में अपनी तरह लोकतंत्र स्थापित करने का दावा करता है। लेकिन जहां भी वह कार्रवाई करता है, वहां लोकतंत्र आते हुए नहीं दिखता। ईरान में भी कुछ वैसा ही हो सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ विश्व के बड़े हिस्से में क्षोभ है। ट्रंप के दौर में ऐसी कार्रवाइयों से विश्व आर्डर गड़बड़ा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ किनारे बैठ घटनाओं को होते देखभर रहा है।

अमेरिका की निगाह बहुत पहले से ईरान पर है। भूराजनीतिक मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि ईरान पर अमेरिकी हमला चीन की ताकत को रोकने की कोशिश भी है। इसकी वजह यह है कि चीन अपने तेल का तकरीबन नब्बे प्रतिशत हिस्सा ईरान से ही आयात करता रहा है। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद चीन की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। चीन ने अपने दफ्तरी कामकाज में कटौती करने का ऐलान किया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे राष्ट्रों में तो सरकारी दफ्तरों के लिए काम करने वाली गाड़ियों की संख्या को आधा कर दिया गया है और वहां दफ्तरों को हफ्ते में सिर्फ चार दिन खोलने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही वहां स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। भारत में भी युद्ध का असर दिखने लगा है। सरकार ने यहां पच्चीस दिनों बाद ही दूसरा एलपीजी सिलिंडर बुक करने का नियम लागू कर दिया है। भारत के सॉफ्टवेयर शहर बेंगलुरू के पेइंग गेस्ट अकोमोडेशन के खाने में कटौती के नोटिस वहां रह रहे युवाओं को मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि वहां घरेलू गैस की कमी हो गई है, इस वजह से वहां पीजी में रोटी, पूरी या पुड़ी और इस तरह के खाने की चीजें नहीं मिलेंगी, सिर्फ दाल-चावल से लोगों को काम चलाना होगा। हालांकि सरकार का कहना है कि उसके पास तेल और गैस का पर्याप्त भंडार है। लेकिन उसने घरेलू गैस की कीमतों में साठ रूपए प्रति सिलिंडर और औद्योगिक गैस की कीमतों में 116 रूपए की बढ़ोतरी कर दी है। इससे देश में उहापोह और अफरातफरी जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं।

जिस तरह रूस और यूक्रेन का युद्ध खत्म होता नजर नहीं आ रहा है, ईरान पर हमले भी थमते नजर नहीं आ रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि अगर ईरान ने समर्पण नहीं किया तो ईरान पर बीस गुना ज्यादा ताकत से अमेरिका हमला करेगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बार-बार कह रहे हैं कि ईरान में सत्ता परिवर्तन वहां की जनता को ही करना है। एक तरह से वहां की शासन व्यवस्था को बदलने के लिए लोगों को युद्ध से उपजी परिस्थितियों के बीच उकसाया जा रहा है।

सवाल यह है कि इससे अमेरिका और इजरायल को क्या फायदा होगा। सीधे तौर पर अमेरिका भले ही स्वीकार न करे, लेकिन यह तय है कि इस युद्ध के बाद अमेरिका का खाड़ी के तेल भंडारों पर नियंत्रण हो जाएगा। जहां तक इजरायल की बात है तो ईरान के कमजोर होने के बाद स्थानीय भू राजनीतिक माहौल में उसकी ताकत बढ़ जाएगी और वह पश्चिमी एशिया में बिना किसी अवरोध और चिंता के आगे बढ़ता रहेगा।

अमेरिका को लेकर कहा जा रहा है कि अगर ट्रंप नहीं होते तो युद्ध नहीं होता। अमेरिका को लेकर लोगों को अपनी यह सोच बदलनी होगी। चाहे रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट, वे अमेरिका के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगाते हैं। जार्ज बुश जूनियर ने ढाई दशक पहले इराक और अफगानिस्तान पर हमला जब किया था, तब उन्होंने एक तरह से पूरी दुनिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि या तोआप अमेरिका की तरफ हैं या फिर आतंक की तरफ। चूंकि न्यूयार्क के ट्रेड टावर पर हमले की घटना के बाद बुश ने ऐसा कहा था, इसलिए किसी देश ने खुलकर इसका विरोध नहीं किया। तब बुश डेमोक्रेट थे, और अब रिपब्लिकन ट्रंप हैं। दोनों की नीतियों में कम से कम हमले को लेकर कोई अंतर नहीं है। तब बुश ने इराक, यमन और अफगानिस्तान को तबाह किया था, अब ट्रंप ईरान को कर रहे हैं। ट्रंप के बारे में माना जाता है कि अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी में वे लोकप्रिय नहीं हैं। शायद इसे ही देखते हुए कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में युद्ध के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया। इससे साफ है कि अमेरिका कम से कम खुद को आगे रखने और उसके लिए युद्ध करने को कोई गुनाह नहीं मानता। सत्ता चाहे डेमोक्रेट के पास हो या फिर रिपब्लिकन पार्टी के पास। यह बात और है कि ईरान की तरफ से दागी जा रही मिसाइलों की जद में सऊदी अरब, बहरीन आदि देश भी हैं।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इजरायली कार्रवाई के बाद दुनिया एक बार फिर दहशत और मध्ययुगीन हिंसक समाज की ओर बढ़ती नजर आ रही है। एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता और जरूरत सवालों के घेरे में है। ऐसे में दुनिया का अगला कदम क्या हो, इस पर कोई ठोस राय नहीं दिख रही है। युद्ध हर हाल में रोका जाना चाहिए, लेकिन युद्ध को रोक पाना मामूली इंन्सानों और तमाम देशों के राजनेताओं में नहीं हैं। यह ट्रंप और नेतन्याहू पर निर्भर करता है कि वे युद्ध को कब और कैसे रोकने का फैसला लेते हैं।

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए।

पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।

बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से "संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित" सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।

इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समथर्कों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसे 'एक भाषा, तीन लिपि नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत हैं कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अतः उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

सू- दोकू क्र.345

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.344 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

ईरान हार कर भी जीत जाएगा

पंकज शर्मा

युद्ध तीन हफ्ते चले या तीन महीने, जब खत्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इजराइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा।

दुनिया भर को हर वक्त अपनी धौंसबाजी के तेवर दिखाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान से उलझने के बाद भीतर से इतने भयभीत हो गए हैं कि अंडे के आकार वाले अपने दफ्तर में आसपास खड़े पादरियों के साथ थरथर मुद्रा में बैठे पूजा-पाठ कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से चुनींदा पादरियों को ओवल ऑफिस बुलाया। पादरियों ने अपने हाथ ट्रंप के बदन पर रखे और प्रार्थना की कि 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में' उन्हें 'अलौकिक मार्गदर्षन' और 'बुद्धमत्ताइ हासिल हो। अमेरिकी सेना की हिफाजत के लिए भी पादरियों ने विशेष आराधना की। ट्रंप अचर्ना-वंदना की पूरी अवधि में अपनी कुर्सी पर सिर झुका कर बैठे रहे और मन-ही-मन कुछ बुदबुदाते रहे।

इस पूजन के मुख्य पादरी टॉम मुलिन्स थे। वे दक्षिण फ्लोरिडा के क्राइस्ट फैलोशिप चर्च के संस्थापक हैं। पादरी बनने के पहले वे फुटबॉल-कोच थे। पॉम बीच गार्डन्स में रहते हैं। ट्रंप का मूल निवास मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्लब भी पॉम बीच गार्डन्स में ही है। पूजा-पाठ के बारे में मुलिन्स ने बताया है कि हम ने परमपिता से प्राथर्ना की है कि वे ट्रंप के दिलो-दिमाग को इस मौक़े पर विवेक-बुद्धि से ओतप्रोत रखें। हम ने देवलोक से यह अनुरोध भी किया है कि वह अमेरिकी सेना की रक्षा करे।

लक्षण साफ हैं। ट्रंप बाहर से दहाड़ रहे हैं, मगर अंदर-ही-अंदर खुद की मिमियाहट खुद ही सुन रहे हैं। उन्हें अहसास हो गया है कि ईरान के मामले में वे बुरी तरह फंस गए हैं। ईरान को ले कर उन का आकलन ग़लत निकल गया है। तबाह होते ईरान ने इजराइल को भी बर्बाद करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। अरब और खाड़ी के मुल्क़ों में जितने भी अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन्हें ईरान ने तकरीबन ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन को ईरान की तरफ से इतने असरदार प्रतिकार का अंदाज नहीं था। सो, अब ट्रंप को लग रहा है कि उन्होंने इजराइली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के चक्कर में अच्छी-खासी मुसीबत मोल ले ली है।

ईरान-प्रसंग में अमेरिका दुनिया में अकेला-सा पड़ गया है और ट्रंप अमेरिका में अकेले पड़ गए हैं। अमेरिकी संसद से ले कर वहां की सड़कों तक पर ट्रंप विरोधी माहौल है। उन्हें अमेरिका को नाहक एक परेशानी में फंसाने के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्रसंघ भी ईरान युद्ध की बेहद सख़्ती से निंदा कर चुका है। ज़्यादातर देश ईरान पर हमले को अनुचित बता चुके हैं। इन में वे देश भी शामिल हैं, जो आमतौर पर अमेरिका के हमजोली और हमसफ ? माने जाते हैं। जाहिर है कि इस सब ने ट्रंप के आत्मविश्वास को भीतर से बुरी तरह हिला दिया है और वे पालनहारे की शरण में चले गए हैं। 'तेरे बिन हमरा कौनो नाहीं की यह मनोदशा किन परिस्थितियों में व्यक्ति का आलिंगन करती है, आप जानते ही हैं।

युद्ध तीन हफ्ते चले या तीन महीने, जब खत्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इजराइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। ईरान युद्ध से दुनिया भर में उस की दादागीरी का, उस की धौंसपट्टी का, उस की लुच्चागिरी का अंतिम अध्याय लिखा जा रहा है। यह युद्ध ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा पर भी पूर्ण विराम लगाने वाला साबित होगा।

ईरान युद्ध से किस-किस की अर्थव्यवस्था पर क्या-क्या असर पड़ेगा, इस का विश्लेषण अलग-अलग विशेषज्ञ हर रोज कर रहे हैं। युद्ध के नफा-नुक़्सान पर 'जाकी रही भावना जैसीइ के आवरण से झांकती टिप्पणियां हम आजकल दिन-रात सुन-पढ़ रहे हैं। इस युद्ध से पूरी दुनिया पर होने वाले तरह-तरह के प्रभावों को हम आने वाले दिनों में देखेंगे-भुगतेंगे। मगर जो सब से बड़ा और तकरीबन अमिट असर यह युद्ध छोड़ कर जाएगा, वह यह होगा कि दशकों-दशक लोग यह याद करेंगे कि, अमेरिका और इजराइल तो छोड़िए, किस तरह अपने-अपने स्वार्थ साधने की हवस में किन-किन मुल्क़ों ने नैतिकता और न्याय के सिद्धांतों को उठा कर ताक पर रख दिया था?

अथर्वान लोग कभी नहीं भूलेंगे कि कैसे, जब शांति वार्ताएं जारी थीं और चौबीस घंटे बाद एक समझौते पर दस्तखत करने के आसार पूरी तरह बन गए थे, तब अमेरिकी बघर्रे ने ईरानी मेमने पर खराब हो गई अपनी नीयत को एकदम नंगा कर दिया और कौन-कौन फिर भी तमाशबीन बना रहा? कैसे, जब तमाम अंतरराष्ट्रीय नियम-परंपराओं को लात मार कर किनारे कर देने के बाद एक सावभौम मुल्क़ के सवोच्च नेता की हत्या कर दी गई तो किन-किन की जुबान से अफसोस के दो लफ्ज. भी नहीं निकले? कैसे जब भारत का मेहमान बन कर आए हथियारविहीन ईरानी युद्धपोत को अपने घर वापस जाते वक्त अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में टारपीडो से ध्वस्त कर दिया तो, बाकी तो छोड़िए, मेजबान तक की जबान भी खामोश ही बनी रही?

लोग याद करेंगे कि एक ऐसा भी वक्त था, जब पांच-छह हजार बरस पुरानी सभ्यता को अपने में समाए एक मुल्क़ के अनीतिपूर्ण विध्वंस पर, उतनी ही पुरानी सभ्यता की विरासत वाले एक देश में ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिन की खुषी का कोई ठिकाना नहीं था। वे इस बर्बादी का जश्न मना रहे थे। कौन भूलेगा कि विश्व राजनय के मूल्यों, परंपराओं और पवित्रता का जब पूरी निर्लज्जता से चीरहरण हो रहा था तो यह दृश्य देख कर भी किस-किस की पराक्रमी छाती सिकुड़ कर चूं-चूं बन गई थी?

मुझे तो अच्छी तरह याद है। आप को भी याद है न कि जब अलगू चौधरी अपने दोस्त जुम्मन शेख के खिलाफ फैसला देने से हिचकिचा रहा था तो खाला जान ने उस से क्या सवाल किया था? खाला जान ने पूछा था, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे? प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर में खाला जान का यह प्रश्न इतिहास का सब से मार्मिक प्रश्न है। यही प्रश्न आज मुझे अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के सिर पर मंडराता दिख रहा है। यही प्रश्न मुझे अपने चौथे स्तंभ के पीछे से झांकता दिखाई दे रहा है कि बिगाड़ के डर से क्या ईमान की बात न कहोगे?

इस सवाल को परे धकेलने वाले आने वाली पीढ़ियों के गुनाहगार होंगे। हमारी भावी नस्लें उन पर इसलिए शर्म करेंगी कि एक समय ऐसा भी आया था कि अन्याय का प्रतिकार गौतम और गांधी के जिस देश की जन्मघुट्टी में था, उस के तत्कालीन कणर्धार अपने गुदगुदे गद्दों की लिप्सा में अपने फर्ज. निभाना भूल गए थे। भारत का भविष्य नजरें उठा कर जी सके, ऐसा कुछ करने में अभी भी शायद बहुत देर नहीं हुई है। देखें, क्या होता है?

एमबीबीएस अंतर्गत पंजीयन या बिजली बिल भुगतान से जुड़ी प्रक्रिया के लिए होगा शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बिजली आज हमारी मूलभूत जरूरतों में शामिल हो चुकी है और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। कई परिवार आर्थिक कारणों से समय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाते, जिससे सरचार्ज के कारण बकाया राशि बढ़ जाती है और पूरा भुगतान करना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने समाधान योजना शुरू की है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी ने उपभोक्ताओं से यह भी स्पष्ट किया कि पंजीयन राशि के भुगतान की सुविधा केवल मोर बिजली एप, एटीपी केंद्र और संबंधित विद्युत कार्यालय के माध्यम से ही उपलब्ध है।

छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी के एमडी भीम सिंह ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के नाम पर फैल रहे साइबर ठगी के प्रयासों से सतर्क रहें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि योजना के पंजीयन या बिजली बिल भुगतान से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया के लिए अनजान वॉट्सएप मैसेज, ई-मेल या एसएमएस में आए किसी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी एपीके फाइल को डाउनलोड करें।

कई बार आर्थिक कठिनाइयों के कारण उपभोक्ता बिजली बिल बकाया रह जाता है और समय के साथ उस पर बिजली बिल में अधिभार बढ़ता जाता है। उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार एकमुश्त भुगतान या किस्तों में भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को अपना पंजीयन कराना आवश्यक होगा। यह पंजीयन बिजली विभाग की वेबसाइट, मोबाइल एप या नजदीकी कार्यालय में जाकर कराया जा सकता है।

छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी के एमडी भीम सिंह ने अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने बकाया बिजली बिल का समाधान करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत देने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था को और अधिक मजबूत और व्यवस्थित बनाना है। पॉवर कंपनी के अनुसार वह अपनी किसी भी योजना अथवा सेवा के लिए उपभोक्ताओं को कोई एपीके फाइल या संदिग्ध वेब लिंक नहीं भेजती है। इसलिए यदि किसी संदेश में ऐसा लिंक या फाइल प्राप्त होती है तो उसे तुरंत नजरअंदाज करें। कंपनी ने बताया कि योजना की जानकारी और पंजीयन की सुविधा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए मैदानी स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि लोग सीधे अधिकृत माध्यम से लाभ प्राप्त कर सकें।

छत्तीसगढ राज्य पॉवर कंपनी ने उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे बिजली बिल या किसी अन्य शुल्क का भुगतान केवल 'मोर बिजली एप', कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट, एटीपी सेंटर या नजदीकी विद्युत कार्यालय में ही करें। किसी भी मैदानी कमर्चारी को नकद भुगतान न करें। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि पंजीयन राशि के भुगतान की सुविधा केवल मोर बिजली एप, एटीपी केंद्र और संबंधित विद्युत कार्यालय के माध्यम से ही उपलब्ध है।

साथ ही उपभोक्ताओं को बताया गया है कि पॉवर कंपनी की ओर से भेजे जाने वाले सभी आधिकारिक संदेश "CSPDCL-S" सेंडर ID से ही आते हैं। यदि किसी अन्य आईडी से संदेश प्राप्त होता है तो उसे संदिग्ध माना जाए। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए उपभोक्ता केंद्रीकृत कॉल सेंटर के टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं या अपने नजदीकी सीएसपीडीसीएल कार्यालय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पॉवर कंपनी ने कहा है कि सतकर्ता ही समझदारी है और थोड़ी सावधानी बरतकर साइबर ठगी से आसानी से बचा जा सकता है।

खास खबर

महिला ने पेश की आस्था की मिसाल, महतारी वंदन की राशि से बनवाया मंदिर

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक बदलाव का भी माध्यम बन रही है। धमतरी जिले के परियोजना सेक्टर खरेंगा के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवपुर की महिलाओं ने इस योजना से प्राप्त राशि का उपयोग कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राम देवपुर में लंबे समय से मंदिर नहीं होने के कारण ग्रामीणों को पूजा-अचर्ना और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गांव के लोग विशेष अवसरों पर दूसरे गांवों में जाकर पूजा करते थे। इस समस्या को देखते हुए गांव की निवासी श्रीमती निमर्ला और उनकी साथी महिलाओं ने एक सकारात्मक पहल करने का निर्णय लिया।

निमर्ला और गांव की अन्य महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही थी। उन्होंने सामूहिक रूप से निर्णय लिया कि इस राशि का एक हिस्सा गांव के सामाजिक और धार्मिक कार्य के लिए उपयोग किया जाएगा। महिलाओं ने अपनी महतारी वंदन की राशि को मिलाकर एक निधि तैयार की और उसी से गांव में शिव मंदिर के निर्माण की शुरुआत की। महिलाओं की इस पहल को गांव के अन्य लोगों का भी भरपूर सहयोग मिला। सामूहिक प्रयासों से कुछ ही समय में मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ और अब गांव में भव्य शिव मंदिर स्थापित हो गया है। मंदिर बनने से न केवल ग्रामीणों की धार्मिक आस्था को एक स्थान मिला है, बल्कि गांव में सामुदायिक एकता और सहयोग की भावना भी और मजबूत हुई है।

गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने भी महिलाओं की इस पहल की सराहना की है। अब देवपुर में महाशिवरात्रि, सावन और अन्य धार्मिक अवसरों पर सामूहिक पूजा-अचर्ना और धार्मिक आयोजन किए जाते हैं, जिससे गांव में उत्साह और सकारात्मक वातावरण बना रहता है। देवपुर की महिलाओं द्वारा किया गया यह प्रयास दर्शाता है कि यदि महिलाएं संगठित होकर संकल्प लें तो वे अपने गांव और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक सहायता का उपयोग कर महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। देवपुर की यह पहल आज आसपास के गांवों के लिए भी प्रेरणा बन रही है और यह संदेश दे रही है कि सामूहिक प्रयास और सकारात्मक सोच से किसी भी समस्या का समाधान संभव है।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण 1 मई से होगा प्रारंभ

रायपुर। भारत सरकार द्वारा आयोजित होने वाली जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य राज्य में 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाना है। जिसके सम्बन्ध में सोमवार को अंबिकापुर जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में अधिकारी कमर्चारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में जनगणना की रूपरेखा, कानूनी प्रावधान, डिजिटल उपकरणों के उपयोग तथा डेटा प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक बताया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप,सर्व एसडीएम, राजस्व अमला सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित रहे।

टूर ऑपरेटरों ने देखी छग की अनोखी झलक

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की फेम ट्रिप से प्रभावित हुए देश के प्रतिनिधि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार और राज्य की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित फेम (ऋअट) ट्रिप के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंट्स ने बस्तर, मैनपाट और जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखा और उसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधियों को बस्तर जिले के विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया साथ ही बोटिंग भी कराई गई, जिसने उनके अनुभव को और रोमांचक बना दिया। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने चित्रकोट स्थित प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन भी किए। बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति से परिचित कराने के लिए प्रतिनिधियों को यहां के प्रसिद्ध हाट-बाजार भी ले जाया गया, जहां उन्होंने पारंपरिक मुर्गा लड़ाई जैसे स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों को देखा और बस्तर की विशिष्ट जनजातीय परंपराओं को समझा।

इस भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों को ऐतिहासिक नगरी बारसूर भी ले जाया गया, जहां उन्होंने प्रसिद्ध बत्तीसा मंदिर और भगवान गणेश की अद्भुत एवं प्राचीन मूतिर्यों का अवलोकन किया। इन ऐतिहासिक धरोहरों ने प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर संभाग के प्रशासनिक अधिकारियों से भी मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने बस्तर के कमिश्नर, आईजी और एसपी से भेंट कर क्षेत्र में पर्यटन विकास, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटन सुविधाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

इसी क्रम में प्रतिनिधियों को मैनपाट के खूबसूरत पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। यहां उन्होंने करमा एथेनिक रिजॉर्ट और सैला रिसोर्ट का दौरा किया तथा मैनपाट की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण का अनुभव किया। इसके अलावा प्रतिनिधियों को कुनकुरी स्थित गिरजाघर, जशपुर का राजपुरी जलप्रपात तथा केरे विलेज जशपुर में स्थित महुआ होमस्टे जैसे आकर्षक पर्यटन स्थलों से भी परिचित कराया गया। इन स्थलों ने छत्तीसगढ़ के इको-टूरिज्म और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को उजागर किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित यह फेम ट्रिप 13 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 28 टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट्स शामिल हैं। इन प्रतिनिधियों को दो समूहों में विभाजित कर राज्य के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है।

इस पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार और पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के टूर ऑपरेटरों को राज्य की पर्यटन संभावनाओं से सीधे परिचित कराना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार कर सकें। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड राज्य के पर्यटन को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा प्रबंध संचालक विवेक आचार्य के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन सुविधाओं के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। इस फेम ट्रिप से जुड़े प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और यहां के लोगों के आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और वे अपने-अपने राज्यों में छत्तीसगढ़ को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देंगे। फेम ट्रिप का समापन 18 मार्च को रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के साथ होगा, जहां दोनों समूहों के प्रतिनिधि एकत्रित होंगे और छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की ओर से राज्य की पर्यटन संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी।

फिजूल बातों को हवा देने में लगे है कांग्रेसी-अशोक चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा नेता अशोक चौधरी ने कहा कि आजकल कांग्रेसी छुटभैया नेता से लेकर बड़े-बड़े कांग्रेस के प्रभारी और पदाधिकारी एक ही बात की रट लगा रहे हैं, की क्रूड ऑयल सस्ता होने के बाद भी महंगे में क्यों बेचा जा रहा है एलपीजी गैस क्यों महंगी हो गई है या नरेंद्र मोदी सरकार की विफलता है भारतीय जनता पार्टी सरकार की विदेश नीति फेल हो गई है।

यह सभी कांग्रेसी नेता यह भूल गए हैं कि जहां से एलपीजी और क्रूड ऑयल आता है वह भीषण युद्ध की चपेट में है यह तो केवल नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जो युद्ध के समय भी अपने एलजी के जहाज को मुर्मुज जल डमरू मध्य के सागर से भारतीय तिरंगे वाली दो जहाज भारत पहुंच गई है और एलपीजी की भीषण समस्या को सुलझा लिया गया।

श्री चौधरी ने कहा की याद करिए मनमोहन सरकार में तेल मंत्री वीरप्पा मोईली के कथन को जिसने कहा था कि हम केवल 8 घंटा पेट्रोल पंप चालू रखेंगे क्योंकि हमें विदेश से क्रूड ऑयल नहीं मिल रहा है। आपको यह भी ज्ञात हो की क्रूड ऑयल देने के लिए विश्व के सभी देशों ने भारत को मना कर दिया था यह कहा था कि आप अपना पुराना कर्ज. चुका दीजिए तब हम आपको क्रूड ऑयल देंगे मनमोहन सिंह जी के खजाने में पैसा ही नहीं था जिससे कर्ज चुकाया जाता। मनमोहन सिंह ने राजमाता सोनिया गांधी और राजकुमार राहुल गांधी के बेहिसाब खर्चे में पूरा खजाना लुटा दिया था और भारत को विश्व में डिफाल्टर श्रेणी में ला दिया था। फिर 2014 में भाजपा के नेता नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी और सभी देश के क्रूड ऑयल के कर्ज को धीरे-धीरे चुका दिया।

आज हम दुनिया के किसी भी देश से क्रूड ऑयल खरीद सकते हैं और खरीद भी रहे हैं ,यह है भाजपा के कार्य करने की पद्धति हमारे यहां ना कोई राजमाता है ना कोई राजा है ना कोई राजकुमार है जिसके ईशारे पर देश के खजाने को लुटाया जाए। खाड़ी के युद्ध की स्थिति में भी हमारे यहां ना पेट्रोल डीजल के भाव बढ़े हैं ना ही कोई कमी है। आज सभी भारतवासी इसके लिए गर्व महसूस कर सकते हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि विपक्षी पार्टियों को पुराना इतिहास अपने नेताओं के द्वारा कहे गए वचनों को याद करना चाहिए। यह भी याद करना चाहिए कि मनमोहन सिंह ने पैसे पेड़ पर नहीं उगते यह भी कहा था आज हमारा खजाना डालरों से भरा पड़ा है। हमारे देश के मुसलमान भाई पवित्र रमजान के महीने में शांति से अपनी इबादत कर रहे हैं। भगवान चाहेंगे तो हम नवरात्र और ईद भी खुशी-खुशी मनाएंगे।

प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने लघु वनोपजों से उत्पाद बनाने की प्रक्रिया देखी

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

छत्तीसगढ़ के जंगलों में भारतीय वन सेवा (IFS) के वर्ष 2025-26 बैच के 133 प्रशिक्षु अधिकारियों ने मृदा संरक्षण, जल संरक्षण, वन प्रबंधन तथा लघु वनोपज के उत्पादन, प्रसंस्करण से जुड़ी तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव के सहयोग तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण में अधिकारियों को छत्तीसगढ़ की वन प्रबंधन प्रणाली और जल संरक्षण कार्यों का व्यावहारिक अध्ययन कराया गया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून से आए प्रशिक्षु अधिकारियों ने 8 से 15 मार्च 2026 तक धमतरी वनमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में फील्ड प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने पम्पारनाला, कांसानाला और साजापानी नाला जैसे क्षेत्रों में मृदा एवं जल संरक्षण तथा वाटरशेड प्रबंधन से जुड़े कार्यों का अध्ययन किया। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में अधिकारियों को वैज्ञानिक पद्धति से वृक्षों के सीमांकन, मार्किंग और कटाई की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार इमारती लकड़ी तैयार कर ई-ऑक्शन के माध्यम से शासन को अधिकतम राजस्व प्राप्त किया जा सकता है।

मैदानी प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने दुगली स्थित वन धन विकास केंद्र का भी अवलोकन किया। यहां उन्होंने हर्रा, बहेड़ा और अश्वगंधा जैसे लघु वनोपजों से उत्पाद बनाने की प्रक्रिया देखी। अधिकारियों को यह भी बताया गया कि स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह किस प्रकार जड़ी-बूटियों का सतत उपयोग कर आजीविका के अवसर बढ़ा रहे हैं और वनों के संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।

धमतरी वनमंडल के डीएफओ जाधव श्रीकृष्ण ने प्रशिक्षु अधिकारियों को वन प्रबंधन, प्रशासनिक कार्यों तथा लघु वनोपज प्रसंस्करण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीमती शालिनी रैना, मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त मणिवासगन एस., मुख्य वन संरक्षक दुर्ग वृत्त श्रीमती एम. मर्सीबेला सहित विभिन्न वनमंडलों के अधिकारियों ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में संयुक्त वनमंडलाधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, एनआरएम इंजीनियर्स तथा वन विभाग के फील्ड स्टाफ ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। विभाग द्वारा सभी सहयोगी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन आज और कल

बलौदाबाजार। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देशानुसार बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत देवपुर नेचर कैंप में 18 व 19 मार्च 2026 को वाइल्ड लाइफ एंड नेचर फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वन विभाग के कमर्चारियों एवं युवाओं को प्रकृति, वन्यजीव तथा आउटडोर फोटोग्राफी के मूल सिद्धांतों से परिचित कराना है। कार्यशाला में अनुभवी फोटोग्राफर एवं प्रशिक्षक ऋषि माणिक दास, डॉ. राहुल शाक्य तथा सुबनारुण बराल द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला का आयोजन प्राकृतिक वातावरण में किया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों को फील्ड में सीधे अभ्यास के माध्यम से सीखने का अवसर प्राप्त होगा।

अम्बेडकर अस्पताल बना कीर्तिमान : डॉक्टरों ने निकाला बच्चे के दिल से चिपका कैंसर

स्टेज-3 इनवेसिव थायमिक कैंसर का सफल ऑपरेशन, स्वास्थ्य मंत्री ने पूरी टीम को दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए जटिल और असंभव माने जाने वाले ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संभव बनाया है। विभाग की टीम ने 11 वर्ष के एक बच्चे के हृदय से चिपके अत्यंत दुर्लभ स्टेज-3 इनवेसिव थायमिक कैंसर (टाइप-बी थायमोमा) का सफल ऑपरेशन कर विश्व स्तर पर नया कीतिर्मान स्थापित किया है।

इसमें खास बात यह है कि अब तक मेडिकल जर्नल में इस प्रकार के कैंसर का सबसे कम उम्र का मरीज 12 वर्ष का दर्ज है, जबकि राज्य में 11 साल के बच्चे में यह बीमारी पाई गई और उसका सफल ऑपरेशन भी किया गया। अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा यह जटिल सर्जरी की गई। ऑपरेशन के छह माह बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और इस वर्ष उसने पुनः स्कूल जाना शुरू कर कक्षा छठवीं की परीक्षा भी दी है।

डॉक्टरों के अनुसार यह ट्यूमर सामान्यतः 40 से 60 वर्ष के लोगों में पाया जाता है और बच्चों में इसका मिलना अत्यंत दुर्लभ है। यह ट्यूमर हृदय, पेरिकार्डियम, फ्रेनिक नर्व महाधमनी (एओर्टा), मुख्य पल्मोनरी आटर्री, लेफ्ट एट्रियम और फेफड़े से चिपका हुआ था। ऐसे मामलों में ट्यूमर को पूरी तरह निकाल पाना (आर-0 रिसेक्शन) लगभग असंभव माना जाता है, लेकिन अस्पताल में उपलब्ध हार्ट-लंग मशीन की मदद से यह संभव हो पाया।

ड्यूल एप्रोच तकनीक से हुआ ऑपरेशन

ट्यूमर का आकार बहुत बड़ा और कई अंगों से चिपका हुआ होने के कारण इसे निकालने के लिए ड्यूल एप्रोच तकनीक का उपयोग किया गया। इसके तहत मरीज के स्टर्नम (छाती की हड्डी) और पसली- दोनों स्थानों पर चीरा लगाया गया, जिसे मेडिकल भाषा में स्टनीटॉमी और थोरेक्टोमी कहा जाता है। मुख्य ट्यूमर के अलावा फेफड़े की प्लूरल कैविटी में फैले तीन अन्य सैटेलाइट ट्यूमर को भी सावधानीपूर्वक निकाला गया, ताकि भविष्य में कैंसर दोबारा फैलने की संभावना न रहे। निकाले गए ट्यूमर का आकार लगभग 128 सेंटीमीटर और वजन करीब 400 ग्राम था।

छह महीने से थी तकलीफ

चांपा निवासी कक्षा छठवीं में पढ़ने वाले इस बच्चे को करीब छह महीने से छाती में दर्द, भारीपन और सांस फूलने की शिकायत थी। जांच में पता चला कि उसके सीने में बड़ा ट्यूमर है, जो हृदय और मुख्य धमनियों से चिपका हुआ है। प्रदेश के कई अस्पतालों में ऑपरेशन से मना किए जाने के बाद मरीज को अम्बेडकर अस्पताल भेजा गया। डॉ. कृष्णकांत साहू ने सीटी स्कैन देखने के बाद परिजनों को बताया कि ऑपरेशन अत्यंत जोखिम भरा है और सर्जरी के दौरान मरीज की जान को खतरा हो सकता है या ऑपरेशन बीच में रोकना पड़ सकता है। इसके बावजूद परिजनों ने सहमति दी और टीम ने सर्जरी का निर्णय लिया।

चार घंटे चली सर्जरी

ऑपरेशन के दौरान किसी भी आपात स्थिति के लिए हार्ट-लंग मशीन तैयार रखी गई थी। लगभग चार घंटे चली सर्जरी के दौरान हार्ट की झिल्ली, फ्रेनिक नर्व तथा फेफड़े के कुछ हिस्से को भी निकालना पड़ा। साथ ही हार्ट के लेफ्ट एट्रियम को भी रिपेयर किया गया क्योंकि ट्यूमर लेफ्ट एट्रियम से चिपका हुआ था। इस दौरान मरीज को चार यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ी। सर्जरी के बाद ट्यूमर के नमूने को बायोप्सी के लिए पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. राबिया परवीन सिद्दकी के पास भेजा गया, जहां जांच में इसे इनवेसिव थायमिक कासिनीमा (टाइप-बी थायमोमा, स्टेज-3) पाया गया। इसके बाद कैंसर विभाग द्वारा मरीज को 25 साइकिल रेडिएशन थेरेपी दी गई।

अब पूरी तरह स्वस्थ

सर्जरी और उपचार के लगभग छह माह बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और दो महीने पहले से दोबारा स्कूल जाने लगा है। इस वर्ष उसने कक्षा छठवीं की परीक्षा भी दी है। इस दुर्लभ केस को राष्ट्रीय कैंसर सर्जरी सम्मेलन में भी प्रस्तुत किया गया, जहां इसे बेस्ट पेपर अवार्ड के रूप में सराहना मिली। विभाग अब इसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल में प्रकाशित करने की भी तैयारी है।

प्रदेश का प्रमुख सेंटर

अम्बेडकर अस्पताल का हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों में छाती, फेफड़े एवं मीडियास्टाइनल कैंसर की सर्जरी का प्रमुख केंद्र है। प्रदेश में इस प्रकार की लगभग 95 प्रतिशत से अधिक सर्जरी इसी विभाग में की जाती हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस सफलता के लिए मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल की पूरी टीम को बधाई दी है।

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा कि यह सर्जरी एक बड़ी उपलब्धि है। चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अम्बेडकर अस्पताल में जटिल से जटिल सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जा रही है और प्रदेश के मरीजों को अब ऐसी सर्जरी के लिए बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग की टीम ने अत्यंत कठिन और दुर्लभ ऑपरेशन को सफल कर अस्पताल की क्षमता को एक बार फिर साबित किया है।

'वज्र' में टाइगर दिखाएंगे नया एक्शन अवतार, ओटीटी पर भी देंगे दस्तक

एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ ने अपने जन्मदिन के मौके पर अपनी अगली फिल्म 'वज्र' के टाइटल की आधिकारिक घोषणा कर दी। यह फिल्म निर्देशक राम माधवानी और निर्माता महावीर जैन के साथ मिलकर बनाई जा रही है। 'नीरजा' और 'आर्या' जैसे कंटेंट-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स के लिए पहचाने जाने वाले राम माधवानी के साथ टाइगर का यह सहयोग इंडस्ट्री में खास चर्चा बटोर रहा है। 'वज्र' को 2027 की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों में से एक माना जा रहा है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन देखने को मिलेगा।

फिल्म की शूटिंग अप्रैल से शुरू करने की है प्लानिंग

सूत्रों के मुताबिक 'वज्र' एक स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग अप्रैल से शुरू करने की योजना है। फिल्म का बड़ा हिस्सा जापान में फिल्माया जाएगा, जहां टाइगर विशेष मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण भी लेंगे। इसे ग्लोबल दर्शकों के लिए नए प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है।

'बागी 5' भी है बननी, डेवलपमेंट स्टेज में है 'हीरोपंती 3'

2027 के लिए टाइगर ने बड़े स्केल पर बदलाव की तैयारी की है। साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनने वाली 'बागी 5' उनकी सफल फ्रेंचाइज का अगला चैप्टर होगी। इसके अलावा 'हीरोपंती 3' फिलहाल डेवलपमेंट स्टेज में है और स्क्रिप्ट पर नए सिरे से काम किया जा रहा है, ताकि पिछली किस्त की कमियों को सुधारा जा सके।

अंतरराष्ट्रीय स्टंट डायरेक्टर्स के साथ तैयारी हो रही है...

डिजिटल स्पेस में टाइगर 2027 में अपना ओटीटी डेब्यू करने की तैयारी में भी हैं। ओटीटी के लिए वे आठ एपिसोड की एक एक्शन सीरीज में दिखेंगे। जिसकी कहानी जासूसी और अंडरकवर ऑपरेशन्स के इर्द-गिर्द है। अंतरराष्ट्रीय स्टंट डायरेक्टर्स के साथ तैयारी भी हो रही है।

कृष्णा श्रॉफ ने पलटा गेम 'द 50' से बाहर हुआ ये प्रतियोगी

शो 'द 50' का हाल ही में एक प्रोमो रिलीज हुआ। यह शो अपने फिनाले की तरफ बढ़ रहा है। अब प्रतियोगी शो में बने रहने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इस शो में बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भी बतौर प्रतियोगी नजर आ रही हैं। हालिया प्रोमा में वह एक प्रतियोगी और अपनी टीम मेंबर से लड़ती-झगड़ती दिखीं।

कृष्णा ने पूरा गेम ही बदल दिया

कृष्णा श्रॉफ ने अपनी ही टीम मेंबर आरुषि को शो से बाहर करने के लिए हामी भरी। यह बात आरुषि को बुरी लगी, उसने कृष्णा से सवाल-जवाब किया। इस दौरान कृष्णा ने कहा कि उनकी प्रायोरिटी सिर्फ 'द 50' शो है, ना कि कोई प्रतियोगी। इस तरह से कहीं ना कहीं कृष्णा ने अपने ही टीम मेंबर को शो में बने रहने के लिए धोखा दिया।

ये प्रतियोगी हुए शो से बाहर

आरुषि को वोट आउट करने से पहले ही

कई प्रतियोगी दो दिन पहले ही शो से बाहर हो चुके थे। इस लिस्ट में डांसर सपना चौधरी और इंफ्लुएंसर मनीषा रानी शामिल हैं। सपना चौधरी इस शो के कारण काफी चर्चा में आईं, उनके बाकी प्रतियोगियों से काफी झगड़े भी हुए।

कौन बनेगा शो का विनर?

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

अनिल कपूर को मिला था 'धुरंधर 2' में काम करने का ऑफर, इस वजह से ठुकराई फिल्म

फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज नजदीक आ रही है। फैंस इसे लेकर उत्साहित हैं। वह इससे जुड़े अपडेट जानना चाहते हैं। ऐसे में अनिल कपूर ने फिल्म को लेकर एक जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म में कैमियो रोल के लिए आदित्य धर ने उनसे संपर्क किया था। हालांकि उन्हें एक बड़ी वजह के चलते इसे ठुकराना पड़ा।

'धुरंधर 2' में कैमियो करने वाले थे अनिल कपूर

अनिल कपूर ने खुलासा किया है कि उन्हें दूसरे प्रोजेक्ट में काम करने की वजह से 'धुरंधर 2' में कैमियो रोल को ठुकराना पड़ा। इंडिया टुडे से बातचीत में अनिल कपूर ने कहा 'धुरंधर 2 के लिए आदित्य धर मेरे पास आए थे। वह चाहते थे कि मैं फिल्म में एक छोटा कैमियो करूं।

अनिल कपूर ने 'धुरंधर 2' में क्यों नहीं किया काम?

अनिल कपूर ने आगे बताया कि वह पहले वाला प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहते थे, हालांकि वह 'धुरंधर 2' में कैमियो करना चाहते थे। उन्होंने कहा 'उन तारीखों में मैं दूसरे फिल्ममेकर के साथ काम कर रहा था। मैंने आदित्य से कहा मैं यह कैमियो करना पसंद करूंगा, लेकिन मैंने पहले ही किसी से वादा किया है। वह फिल्म को रिलीज करने वाले हैं। यह अच्छी फिल्म है। इसमें मेरा घाटा है लेकिन कोई बात नहीं।'

कब रिलीज होगी 'धुरंधर 2'?

'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक आदित्य धर हैं।

अनिल कपूर का वर्कफ्रंट

अनिल कपूर हाल ही में फिल्म 'सूबेदार' में नजर आए थे। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया था और इसमें राधिका मदान और खुशबू सुंदर भी उनके साथ थीं।

प्रभास स्टारर 'कल्कि 2' में फाइनल हुई साई पल्लवी

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898AD' साल 2024 में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन ने इसके सीक्वल पर काम भी शुरू कर दिया है। इसका संकेत अमिताभ बच्चन ने अपने एक विडियो में दिया था। पिछले साल 2025 में खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण 'कल्कि 2' का हिस्सा नहीं होंगी। इसके बाद से निर्माता नई एक्ट्रेस की तलाश में थे। अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए साई पल्लवी को फाइनल कर लिया गया है। वह सीक्वल में दीपिका की जगह नजर आएंगी। कास्ट के एक सदस्य ने पुष्टि करते हुए कहा कि दीपिका के बाहर होने के बाद इस किरदार को खत्म करने का सवाल ही नहीं था, इसलिए साई पल्लवी को चुना गया। एक सूत्र के अनुसार... 'दीपिका ने सीक्वल के लिए पहली फिल्म से लगभग 35 प्रतिशत ज्यादा फीस की मांग की थी। उनकी शर्तों पर सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

करण जौहर ने 'सूबेदार' को बताया शानदार पूरी टीम को दी बधाई

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' ओटीटी रिलीज के बाद काफी चर्चा में है। हर कोई अनिल कपूर के एक्शन अवतार और फिल्म की कहानी की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस कड़ी में फिल्ममेकर करण जौहर का नाम जुड़ गया है। करण जौहर ने शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए अनिल कपूर के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने अनिल कपूर के एक्शन अवतार की तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही करण जौहर ने लिखा, 'मैं इस शानदार और दमदार फिल्म को देखने के लिए देर से पहुंचा था। क्या कमाल की फिल्म है और अनिल कपूर ने कितनी मजेदार और शानदार परफॉर्मेंस दी है कि वह सच में कमाल हैं।' इसी के साथ करण ने पूरी स्टार कास्ट की जमकर सराहना करने के साथ बधाई भी दी। करण ने लिखा, 'पूरे कास्ट, सुरेश और प्राइम वीडियो को इतनी बेहतरीन और शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई।' सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं। एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य नाम के रिटायर्ड फौजी का किरदार निभाया है, जो स्थानीय रेत माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बेटी (राधिका मदान) के साथ मिलकर जंग लड़ता है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए चर्चा में है। फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद बेटी श्यामा (राधिका मदान) के साथ रिश्ते सुधारने और शांतिपूर्ण जीवन के लिए घर लौटता है, लेकिन स्थानीय रेत माफिया के आतंक और अपनी कार को हुए नुकसान के बाद वह उनके खिलाफ खड़ा हो जाता है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है, जिसकी हर जगह सराहना हो रही है।

दो मिनट में 40 साल बयां नहीं कर सकते

राजपाल यादव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्टर फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान बातचीत में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार और अक्षय कुमार, परेश रावल और असरानी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के अनुभवों पर बात की। उन्होंने अपनी बायोपिक को लेकर भी अपनी राय रखी।

'भूत बंगला' का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात

'भूत बंगला' को एक शानदार फिल्म बताते हुए राजपाल ने कहा, 'भूत बंगला की कहानी बहुत दिलचस्प है और मुझे इसमें एक अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ शानदार किरदार निभाने का मौका मिला है। मैं इसके लिए पूरी टीम का धन्यवाद देता हूं। यहां आपको स्लैपस्टिक कॉमेडी के साथ भरपूर मनोरंजन मिलेगा। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन की खासियत है कि वे मुझसे अलग-अलग तरह के कॉमन मैन के किरदार करवाते हैं। हर फिल्म में किरदार की मानसिकता अलग होती है और यही चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है।

हर फिल्म अपने आप में अलग होती है

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' से इसकी तुलना पर राजपाल कहते हैं, 'पिछले सौ साल के सिनेमा में आगे के सिनेमा की झलक आती है। अब तक कई हॉरर फिल्में बनी हैं और सबकी अपनी क्वालिटी है। यह नई फिल्म है। यह अपने आप में एक अलग कहानी है वो भी बिल्कुल अलग ट्रीटमेंट के साथ। दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव राजपाल आगे कहते हैं, 'अक्षय भाई, परेश भाई और दिवंगत असरानी सर...ये सभी दिग्गज कलाकार हैं। इनके साथ काम करना हमेशा सीखने जैसा होता है। पिछले 20 साल से कई फिल्मों में साथ काम करते हुए एक अच्छा बॉन्ड बन गया है।' अक्षय कुमार के बारे में उन्होंने कहा कि अक्षय में कूट-कूटकर एनर्जी भरी है। उनके साथ काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।

असरानी के साथ खास यादें

दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ काम करने का अनुभव बताते हुए राजपाल भावुक हो गए। वो बोले- 'हमने बचपन में उनकी फिल्मों पर तालियां बजाई हैं। उनके साथ काम करना अपने आप में एक अनुभव है। शूटिंग के दौरान एक शाम हम साथ बैठकर गाजर का हलवा खा रहे थे और बातचीत कर रहे थे। वो पल मेरे लिए बहुत खास है।'

सीन कटने की चिंता नहीं

मल्टीस्टार फिल्मों में सीन कट होने के डर पर राजपाल यादव का कहना है कि ये सब डायरेक्टर का इंटरप्रिटेशन होता है। एक अभिनेता को इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए कि उसका सीन रहेगा या कट जाएगा। फिल्म अपने आप में एक विज्ञान है और उसमें एडिटिंग के दौरान बहुत चीजें बदलती रहती हैं

मुझे जानने के लिए मुझे पढ़ना पढ़ेगा

अंत में अपनी बायोपिक के सवाल पर राजपाल मुस्कुरा दिए। बोले- 'राजपाल की बायोपिक बनने से पहले राजपाल को पढ़ना पड़ेगा। मेरी 40 साल की कहानी को दो मिनट में बताना आसान नहीं है।'

अपनी इमेज से खुश हूं

अपनी इमेज पर एक्टर ने कहा कि मैं अपनी बनी हुई इमेज से खुश हूं। मेरी कोशिश हमेशा यही रही है कि हर किरदार की मानसिकता नई हो। मैंने कभी भी अपने किरदारों को रिपीट नहीं किया। मुझे सिनेमा से प्यार है और मैं हर तरह की फिल्म में खुद को फिट करने की कोशिश करता हूं।

सिनेमा समय के साथ चलता है

सिनेमा में बदलाव और कॉमेडी फिल्मों पर अभिनेता ने कहा कि समय के साथ सिनेमा भी बदलता है। पहले कॉमेडी फिल्मों का दौर अलग था। अब सोशल मीडिया और न्यूज चैनल्स के दौर में चीजें बदल गई हैं। लेकिन सिनेमा हमेशा समय के साथ चलता है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने 30 करोड़ से ज्यादा की सड़क परियोजनाओं का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 21 करोड़ 7 लाख 98 हजार की लागत से प्रतापपुर चौक से दामापुर पुल तक कुल 12.70 किलोमीटर सड़क, 7 करोड़ 74 लाख 95 हजार की लागत से 3.65 किमी दमगढ़ से अमनिया सड़क एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 1 कारोड़ 91 लाख 88 हजार की लागत से पौनी से कोड़ापुरी तक 5.30 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य कुल 30 करोड़ 74 लाख 81 हजार रुपए के सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इन सड़कों के निर्माण से रूसेकापा, भगतपुर, कोलेगांव, सेमरकोना, निंगापुर, दामापुर, दमगढ़, अमनिया, पौनी, तिलईभाठ, नवापारा, तोरला, कोड़ापुरी सहित आस-पास के सैकड़ों ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह दिन पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिन है। आज हम सब मिलकर 30 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर रहे हैं। यह केवल सड़कों का निर्माण नहीं है, बल्कि यह हमारे क्षेत्र के विकास, सुविधा और समृद्धि की नई राह है। यह सड़कें हमारे ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में सड़क आवागमन की सुविधा के साथ ही वहां व्यापर, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुँच एवं किसानों को अपनी उपज तथा सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेगा।

आज जिन सड़कों का भूमिपूजन किया जा रहा है, वे लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग थीं। कांग्रेस सरकार के कुशासन में विगत 5 वर्षों तक पंडरिया विधानसभा को उपेक्षित और विकास कार्यों से कोसो दुर रखा गया। पंडरिया विधानसभा की जनता ने इस पक्षपात को समझा और प्रदेश एवं पंडरिया में भाजपा का कमल खिलाकर विकास व सुशासन की जो स्थापना की है आज उससे उनकी आकांक्षाएं पूरी हो रही हैं, क्षेत्र का निरंतर विकास हो रहा है, जनहित की योजनाओं से जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है और हमारे किसान, महिला, युवा सशक्त हो रहें हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले हमारे भाइयों-बहनों के लिए सड़क केवल एक रास्ता नहीं होती, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास तक पहुँचने का सबसे बड़ा माध्यम होती है। जब सड़क बनती है तो गांव शहर से जुड़ता है, किसान की उपज बाजार तक पहुँचती है, बच्चों को स्कूल जाने में सुविधा होती है और मरीजों को समय पर इलाज मिल पाता है। आज पंडरिया विधानसभा में 400 किलोमीटर से अधिक की सड़कों का विस्तार हो रहा है। इसके साथ ही हर गाँव और नगर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण, प्रकाश एवं विद्युत व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, शिक्षा व शैक्षणिक सुविधाओं का सुदृढ़ किया जा रहा है।

भूमिपूजन के माध्यम से मैं विश्वास दिलाना चाहती हूँ कि पंडरिया विधानसभा के विकास के लिए हमारा यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और रोजगार के क्षेत्र में हम लगातार नए कार्य करेंगे ताकि हमारा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। आज 30 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाली ये सड़कें इस बात का प्रमाण हैं कि भाजपा सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासह्व के संकल्प को धरातल पर उतार रही है। मैं क्षेत्र की जनता का ह्रदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया और मुझे सेवा का अवसर दिया। मैं आप सभी को विश्वास दिलाती हूँ कि सेवा और विकास का यह सफर निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि, समस्त मंडल अध्यक्ष, जिला व जनपद सदस्य एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

खास खबर

दुर्ग में आईटीएमएस कैमरों का सख्त पहरा, नियम तोड़ने वालों पर ई-चालान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और अनुशासित बनाने के लिए यातायात पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) के तहत शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगे अत्याधुनिक कैमरों से 247 निगरानी कर नियम उल्लंघन करने वालों पर लगातार ई-चालान की कार्रवाई की जा रही है।

ITMS कैमरों के जरिए बिना मौके पर रोके ही वाहन चालकों की पहचान कर ई-चालान सीधे उनके मोबाइल और पते पर भेजे जा रहे हैं। खास तौर पर इन उल्लंघनों पर सख्त नजर रखी जा रही है—बिना हेलमेट वाहन चलाना, तीन सवारी बैठाना, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, पुलिस चेकिंग से बचने के लिए रास्ता बदलकर भागना इन सभी मामलों में कैमरों के माध्यम से सटीक पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

यातायात पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक 8926 से अधिक ई-चालान जारी किए जा चुके हैं। यह पूरी प्रक्रिया प्रमाण आधारित और पारदर्शी है, जिससे नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है। ITMS प्रणाली के जरिए शहर में न सिर्फ नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं में कमी लाने और ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने का भी प्रयास किया जा रहा है।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि— दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें, निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाएं, ओवरलोडिंग और तीन सवारी से बचें, यातायात नियमों का पालन करना न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि आपकी और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी है।

विबी-जी-राम-जी ग्रामीण भारत में एक बड़े परिवर्तन की नींव : अग्रवाल

विबी-जी-राम-जी ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव विषय पर कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पत्र सूचना कार्यालय रायपुर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मंगलवार को भिलाई में विबी-जी-राम-जी ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत दुर्ग के सहायक परियोजना अधिकारी अर्दीप ढिढ़ी एवं दुर्ग पुलिस के साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प राय भी शामिल हुए। इस मौके पर मुख्य अतिथि राजीव अग्रवाल ने कहा कि विबी-जी-राम-जी की परिकल्पना वास्तव में ग्रामीण भारत में एक बड़े परिवर्तन की नींव है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारत को 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना है, तो सबसे पहली प्राथमिकता बेरोजगारी को जड़ से खत्म करना है। उन्होंने बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (CSIDC) के माध्यम से लगभग 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू (MoU) किए गए हैं, जिसके तहत कई कंपनियां प्रदेश में निवेश कर रही हैं, जिससे युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

राजीव अग्रवाल ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक महिला हॉस्टल तैयार किए जा रहे है। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि विबी-जी-राम-जी के तहत 125 दिन का कार्य वास्तविक रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। फसल की बुआई से लेकर कटाई तक किसान भाइयों की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए 60 दिनों के अवकाश हेतु ब्लॉक की व्यवस्था की गई है, ताकि खेती और 0विकास कार्य साथ-साथ चल सकें।

योजनाओं में पारदर्शिता पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी धन की उपयोगिता की निगरानी साप्ताहिक आधार पर की जाएगी और कार्यों की सटीक स्थिति जानने के लिए जीपीएस (GPS) तकनीक का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने यह भी साझा किया कि एआई (AI) के समावेश से कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता में क्रांतिकारी सुधार होगा।

कार्यशाला के दौरान जिला पंचायत दुर्ग के सहायक परियोजना अधिकारी अर्दीप ढिढ़ी ने ग्रामीण भारत के परिवर्तनकारी बदलाव की दिशा में जिला पंचायत द्वारा संचालित योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। दुर्ग पुलिस के साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प राय ने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती डिजिटल पैठ के बीच साइबर सुरक्षा के महत्व पर पत्रकारों को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान भिलाई शहर के पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मांदरी नृत्य दल भारत ट्राइब फेस्ट-2026 में करेगा छग का प्रतिनिधित्व

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नई दिल्ली में बस्तर की प्रसिद्ध मांदरी नृत्य की प्रस्तुति देंगे कोण्डागांव के कलाकार

राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला कोण्डागांव जिले का लिंगो घोटुल मांदरी नृत्य दल अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगा। यह दल नई दिल्ली में आयोजित भारत ट्राइब फेस्ट-2026 में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा।

उल्लेखनीय है कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति लोक कला महोत्सव में इस दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस उपलब्धि के लिए देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों दल को सम्मानित भी किया गया था।

कलेक्टर कोंडागांव पन्ना ने जिले के मांदरी नृत्य दल के कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह कोण्डागांव जिले के लिए गर्व का विषय है कि यहां के लोक कलाकारों का दल राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कलाकार अपनी प्रस्तुति से बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति को देशभर में पहचान दिलाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य और कोण्डागांव जिले का नाम रोशन करेंगे।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि भारत ट्राइब फेस्ट का आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज द्वारा 18 मार्च से 21 मार्च 2026 तक सुंदर नसर्री, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ सहित 7 राज्यों के कलाकार विभिन्न जनजातीय कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कोण्डागांव जिले के ग्राम राहटीपारा, बालेंगा के मांदरी नृत्य दल द्वारा किया जाएगा।

ट्रांसमिशन कंपनी के दो लाइनमैन राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मैदानी अमलों की दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए दो लाइनमैन को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत ओंकार साहू लाइन सहायक श्रेणी-1 (220 केवी उपकेंद्र सरायपाली) एवं सीताराम लाइन परिचारक श्रेणी-1 (एमआरटी संभाग भिलाई) को दिल्ली में तकनीकी दक्षता एवं निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार विद्युत मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

वार्षिक कार्यों के मूल्यांकन आधार पर छत्तीसगढ़ ट्रांसमिशन कंपनी से दो लाइनमैन का चयन हुआ तथा राष्ट्रीय मंच पर उन्हें पुरस्कृत किया गया। ओंकार साहू ने वर्ष 2025 में सरायपाली, बसना और सांकरा सब-स्टेशन पर अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें 160 एमवीए ट्रांसफार्मर का आंतरिक निरीक्षण, तेल निस्पंदन, सीटी प्रतिस्थापन, पैनल इंस्टालेशन एवं बैटरी सेट रिप्लेसमेंट तथा इंसुलेटर बदलने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर निष्पादित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। उनकी ईमानदारी, तकनीकी दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा से समय पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति होती रही।

इसी प्रकार सीताराम साहू द्वारा 132 केवी उपकेंद्र राजनांदगांव उपकेंद्र में पुराने कंट्रोल रूम से पुराने ट्रांसफार्मरों, पुराने फीडर पैनलों को विच्छेदित कर नए निर्माण किए गए। कंट्रोल रूम में नए कंट्रोल एवं रिले पैनलों का टमिर्नेशन, परीक्षण एवं स्थापना के कार्यों को अतिशीघ्र समयावधि में संपन्न किया गया।

इन उपलब्धियों के लिए प्रबंधन ने दोनों लाइनमैन को बधाई दी और आगे भी इसी तत्परता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रदेश में 400 केवी उपकेंद्र के 5 नग, 220 केवी उपकेंद्र के 27 नग, 132 केवी उपकेंद्र के 105 नग उपकेंद्र हैं। जहां मैदानी अमलों को 247 तत्पर तैनात रहना पड़ता है। लाइनमैन विषम परिस्थितियों में भी अपनी टीम के साथ सुधार कार्य के लिए सतत प्रयासरत रहते हैं। ऐसे कमर्वीरों को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा प्रशस्ति पत्र, मैडल एवं प्रतीकात्मक भेंट से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के लाइनमैन का सम्मान कंपनी के लिए गर्व का विषय है।

नवरात्रि से पहले डोंगरगढ़ में कमर्शियल गैस की किल्लत, होटल व्यवसायियों ने दी बंद की चेतावनी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

चैत्र नवरात्रि से ठीक पहले धार्मिक नगरी डोंगरगढ़ में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी कमी सामने आ रही है। पिछले करीब 10 से 12 दिनों से शहर में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई लगभग ठप बताई जा रही है। इससे होटल और भोजनालय संचालकों के सामने कामकाज चलाना मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई होटल संचालकों ने गैस आपूर्ति जल्द शुरू नहीं होने पर अपने प्रतिष्ठान बंद करने की चेतावनी दे दी है। होटल और भोजनालय संचालकों का कहना है कि उन्हें लंबे समय से कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में रसोई का संचालन करना मुश्किल हो गया है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करने पर प्रशासन की ओर से कारर्वाई की चेतावनी दी जाती है, जिससे होटल व्यवसायियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

समस्या से परेशान होटल व्यवसायी सोमवार को कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचे और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो होटल व्यवसाय पूरी तरह ठप हो सकता है। डोंगरगढ़ में स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के दौरान हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यदि गैस की समस्या बनी रही तो नवरात्र के समय शहर के कई होटल और भोजनालय बंद हो सकते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

नवरात्रि के दौरान मंदिर ट्रस्ट की ओर से प्रसाद, भंडारा और अन्य धार्मिक व्यवस्थाओं के लिए बड़ी संख्या में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की जरूरत होती है। ऐसे में शहर में गैस सिलेंडरों की कमी प्रशासन के लिए भी चुनौती बन सकती है। इस मामले में एसडीएम एम. भार्गव ने कहा कि गैस आपूर्ति की समस्या की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। जल्द ही इसका समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सेवा सहकारी समिति खंडसरा में समर्थन मूल्य पर अरहर खरीदी का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा दलहनी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज सेवा सहकारी समिति खंडसरा में समर्थन मूल्य पर अरहर (तुअर) की खरीदी का शुभारंभ किया गया। खरीदी की शुरुआत दो किसानों से कुल 43.5 क्विंटल अरहर की खरीदी कर की गई। कार्यक्रम के दौरान किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। अधिकारियों ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था किए जाने से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा और बिचौलियों पर निर्भरता भी कम होगी।

इस अवसर पर उपसंचालक कृषि, जिला बेमेतरा एम. डी. डडसेना, सहायक संचालक कृषि डॉ. एस. एल. साहू, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विजय टंडन तथा सेवा सहकारी समिति खंडसरा के अध्यक्ष शरद जोशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में कृषकगण भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उपस्थित किसानों को अरहर सहित अन्य दलहनी फसलों के उत्पादन बढ़ाने के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि दलहनी फसलें न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में सहायक होती हैं, बल्कि किसानों के लिए अतिरिक्त आय का भी अच्छा स्रोत बन सकती हैं। साथ ही किसानों को शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपनी उपज समितियों के माध्यम से बेचने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि उन्हें उनकी उपज का उचित लाभ मिल सके।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को समर्थन मूल्य पर खरीदी की प्रक्रिया, पंजीयन, तौल व्यवस्था तथा भुगतान से संबंधित जानकारी भी विस्तार से दी गई। अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि समितियों में खरीदी की पूरी प्रक्रिया पारदशिर्ता के साथ संचालित की जाएगी तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि शासन द्वारा दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे किसानों को बेहतर बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और विपणन की सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इस पहल से क्षेत्र में दलहनी फसलों के रकबे और उत्पादन में वृद्धि होने की संभावना है। समिति में अरहर खरीदी शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर अवसर मिलेगा और उन्हें बाजार की अनिश्चितता से भी राहत मिलेगी। यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि जिले में दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क. 202603101000073 /अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक-शंकुतला साहू पति किशोर कुमार साहू निवासी-पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न. 440 रकबा 1.8900 हे. अनावेदक अजय आ. स्व. सुबेलाल के नाम पर दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को आवेदिका 1/5 हिस्सा खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क. 202603101000071 /अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक-शंकुतला साहू पति किशोर कुमार साहू निवासी-पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न. 429 रकबा 1.0600 हे. अनावेदक किशनलाल आ. स्व. सुबेलाल के नाम पर दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को आवेदिका 1/5 हिस्सा खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क. 202603101000072 /अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक-शंकुतला साहू पति किशोर कुमार साहू निवासी-पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न. 441, 565 रकबा 1.5900, 0.3100 हे. अनावेदक कुलेश्वरी साहू पति स्व. प्रेमलाल साहू, चंचल साहू, रागिनी साहू नाबा. दोनों पिता स्व. प्रेमलाल साह के नाम पर दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को आवेदिका 1/5 हिस्सा खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

एलपीजी गैस वितरण में अनियमितता व कालाबाजारी रोकने कड़ी निगरानी रखें-कलेक्टर सिंह

अधीनस्थ अनुविभाग, ब्लॉक एवं तहसीलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने पर कलेक्टर ने दिया बल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने मकान सूचीकरण ब्लॉक कार्य को 31 मार्च तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही इंचार्ज अधिकारियों को सूची में एकरूपता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन की स्थिति की समीक्षा की गई। सभी पंचायतों में पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिन पंचायतों में अब तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, वहां के सचिवों के एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने अधीनस्थ अनुविभाग, ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों और तहसीलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। सभी विभागों को ई-एचआरएमएस में ऑनबोर्डिंग के लिए निर्धारित प्रारूप में जानकारी 31 मार्च से पहले सामान्य प्रशासन विभाग को भेजने को कहा गया। समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में धान उठाव की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को सभी समितियों से 25 मार्च तक शत-प्रतिशत डीओ

कटवाकर धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खाद्य अधिकारी को एलपीजी गैस वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी रोकने के निर्देश दिए गए। शिकायत मिलने पर तत्काल कारर्वाई करने को कहा गया। इसके अलावा सभी विभागों को लंबित बिजली बिलों का जल्द भुगतान करने और निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर संबंधित विभागों को राशि लौटाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में बाल देखरेख संस्थाओं की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारी ने अवगत कराया कि आंगनबाड़ी प्रवेश उत्सव के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में अब तक 3094 नए बच्चों का नामांकन किया जा चुका है। कलेक्टर ने सभी विभागों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

भिलाई के कुरूद-जामुल में ही बनेगा प्रस्तावित बायोगैस प्लांट विधायक सेन ने किया सवाल, सीएम ने विस में दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा पूछे गए एक महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम भिलाई द्वारा जामुल (कुरूद) के समीप प्रस्तावित बायोगैस/बायोफ्यूल प्लांट के स्थल परिवर्तन का कोई प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है और यह प्लांट निर्धारित स्थल पर ही स्थापित किया जाएगा।

परियोजना की कुल लागत

इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत 60 करोड़ है। यह प्लांट प्रतिदिन 130 टन नगरीय ठोस अपशिष्ट का प्रसंस्करण करने में सक्षम होगा। आपको बता दें कि इस परियोजना हेतु ग्राम जामुल और ग्राम कुरूद में कुल 5.5 एकड़ भूमि का चयन किया गया है। इस भूमि का लीज डीड पंजीयन 11 दिसंबर 2025 को निष्पादित किया जा चुका है।

जनसुनवाई और स्थल चयन पर स्पष्टीकरण

इस प्लांट निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों के विरोध पर सदन में विधायक रिकेश सेन द्वारा स्थानीय निवासियों की सहमति और जनसुनवाई के संबंध में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थल चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है। लीज डीड के पंजीयन से पूर्व 14 नवंबर 2025 को कलेक्टर न्यायालय दुर्ग द्वारा शाम 5 बजे बाकायदा जनसुनवाई आयोजित की गई थी।

स्थल परिवर्तन की मांग खारिज

विधायक द्वारा प्लांट को किसी अन्य निर्जन स्थान पर स्थानांतरित करने के सुझाव पर सरकार ने रुख साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि वर्तमान प्रस्तावित स्थल की उपयोगिता की पुष्टि कलेक्टर, जिला दुर्ग द्वारा 5 दिसंबर 2025 को जारी राजस्व आदेश के माध्यम से की जा चुकी है। इसे किसी अन्य स्थान पर ले जाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।

अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

रायपुर। राजधानी रायपुर के ग्राम मठपुरैना में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कारर्वाई करते हुए बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश एवं एसडीएम रायपुर के मार्गदर्शन में की गई। तहसील रायपुर अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में अवैध प्लाटिंग की शिकायतों के बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अभियान चलाया। इसी क्रम में ग्राम मठपुरैना में बिना वैध अनुमति के की जा रही प्लाटिंग पर कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग और निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माणों को हटाया।प्राप्त जानकारी के अनुसार खसरा नंबर 15002/136 और 15002/28 की लगभग 0.365 हेक्टेयर और 0.0789 हेक्टेयर भूमि, तथा खसरा नंबर 196/2 की करीब 0.204 हेक्टेयर भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही थी। इन जमीनों पर बिना अनुमति के प्लॉट काटकर मार्ग निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे तैयार किए जा रहे थे। प्रशासन ने मौके पर बुलडोजर चलाकर अवैध रूप से बनाए गए मार्ग, सीमांकन और अन्य निर्माण कार्यों को हटाया। इस दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध अनुमति के भूमि का विकास करना नियमों का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाएंगे।

मातृ वंदन योजना में छग ने ऐसे ही नहीं मारी बाजी

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से सुरक्षित मातृत्व को दिया जा रहा बढ़ावा : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में छत्तीसगढ़ अव्वल रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार न सिर्फ जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से अमल में लाती है, बल्कि प्रशासनिक सक्रियता से उसे हर तबके तक समय पर पहुंचाने के अपने वादे को पूरा करती है।

गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने की इस केंद्रीय योजना के तेजी से क्रियान्वयन और शिकायतों का त्वरित निपटान कर छत्तीसगढ़ ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वयन भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर पयर्वेक्षक, परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर के अधिकारियों तक के सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की गई उपलब्धि है।

जच्चा एवं बच्चा का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सवोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

ऐसे मिली उपलब्धि

प्रशासनिक अमले द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लगातार मॉनिटरिंग की गई और लाभार्थियों के पंजीयन पर मुख्य रूप से फोकस किया गया। इस योजना का लाभ लेने के लिए वर्ष 2023-24 में जहां 1,75,797 गर्भवती महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, वहीं वर्ष 2024-25 में 2,19,012 रजिस्ट्रेशन किए गए। इसे ही लक्ष्य

आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर राज्य स्तर के अधिकारियों ने सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की उपलब्धि

मानते हुए वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2,04,138 महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया जो लक्ष्य का 93.3 प्रतिशत है।

रजिस्ट्रेशन के बाद इसे तुरंत मंजूरी देने पर फोकस किया गया। तय प्रक्रिया के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा फार्म भरने, पयर्वेक्षक द्वारा इसके सत्यापन और परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर पर मंजूरी देने में तेजी लाई गई। भरे गए आवेदनों के 83 प्रतिशत का परीक्षण कर इसे भुगतान के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया। केंद्र से छत्तीसगढ़ को मिली स्वीकृति की दर भी सबसे ज्यादा 83.87 रही है।

इसके बाद तीसरी कैटेगरी शिकायतों के निराकरण के संबंध में आंकड़ों का परीक्षण किया गया। लाभार्थियों की ज्यादातर शिकायतें भुगतान न होने को लेकर थी। इस पर तत्काल ध्यान दिया गया और कोई कमी थी तो उसे दूर किया गया। हालांकि राज्य सरकार ने सभी शिकायतों का निराकरण कर दिया गया, लेकिन केंद्र सरकार के आंकड़ों में 30 दिन से ज्यादा लंबित शिकायतों की संख्या 7 प्रतिशत पाई गई है। इसके बावजूद 93 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण कर राज्य पहले स्थान पर रहा। यदि तीन वर्षों के आंकड़ों को देखा जाए तो छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत कुल 5,98,947 गर्भवती महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया, जिनमें से 5,40,624 को स्वीकृति दे दी गई।

गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान और उससे पूर्व पौष्टिक आहार व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार इस योजना के तहत 5 हजार रुपये और दूसरी बेटी के जन्म पर एकमुश्त 6 हजार रुपये देती है। यह राशि तीन किस्तों में दी जाती है। गर्भवती महिलाओं के रजिस्ट्रेशन के समय 1,000 रुपये, 6 माह बाद 2,000 रुपये और बच्चे के जन्म, पंजीकरण और टीकाकरण के बाद 2,000 रुपये का भुगतान किया जाता है। इसका मकसद संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना और शिशु मृत्यु दर को कम करना है।

एलपीजी आपूर्ति सुचारु : कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए प्राथमिकता आधारित वितरण व्यवस्था लागू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले के दिशानिर्देश पर छत्तीसगढ़ में निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ कमर्शियल गैस कनेक्शन वाले संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों के लिए संतुलित और प्राथमिकता आधारित वितरण व्यवस्था केंद्रीय पेट्रोलियम एवं नैसर्गिक गैस मंत्रालय के अधीन लागू करने का निर्णय लिया गया है।

खाद्य सचिव श्रीमती रीना कंगाले ने कहा कि प्रदेश में घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रहे और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं ऑयल कंपनियों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कमर्शियल उपभोक्ताओं को विगत माहों की खपत के आधार पर अधिकतम 20 प्रतिशत की सीमा के अंदर एलपीजी प्रदाय करने पर सहमति बनी है।

कमर्शियल एलपीजी की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत शैक्षणिक संस्थानों एवं चिकित्सालयों के साथ-साथ सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, हॉस्टल, समाज कल्याण संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन को पूर्ण प्राथमिकता देते हुए 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं उनके गेस्ट हाउस और कैंटीन के लिए 50 प्रतिशत, पशु आहार उत्पादक संयंत्र एवं बीज उत्पादक इकाई तथा रेस्टोरेंट एवं होटल के लिए 20 प्रतिशत आपूर्ति निर्धारित की गई है।

उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी के वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं प्रभावी बनी रहे।

खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा कि आम नागरिकों को निर्बाध एलपीजी आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आवश्यक सेवाओं पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े, साथ ही सभी वर्गों तक संतुलित रूप से गैस की उपलब्धता बनी रहे।

माँ कर्मा के जीवन से हमें श्रद्धा, भक्ति, नारी सम्मान और मानव सेवा की शिक्षा मिलती है-चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निकुम कुथरेल व कोनारी में स्थानीय ग्रामीण साहू समाज द्वारा भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती बड़ी धूम धाम से मनाया गया इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ।

इस अवसर पर भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्रवासियों को भक्त माता कर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही महाप्रसाद खिचड़ी ग्रहण किया। कर्मा जयंती के पावन

अवसर पर ग्राम में कलश यात्रा के साथ नगर भ्रमण किया भक्त माता कर्मा और दानवीर भामासाह जयकारे से नगर गूंज उठा। साथ ही समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज के उत्थान के लिए काम करने वाले सम्माननीय जानों का सम्मान किया गया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में साहू समाज सहित सभी समाजों द्वारा भक्त माता कर्मा जयंती का पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। आराध्य माँ कर्मा ने अपनी भक्ति भाव से साक्षात भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। उनके जीवन से हमें श्रद्धा, भक्ति, नारी सम्मान और मानव सेवा की शिक्षा मिलती है। माँ कर्मा का विराट व्यक्तित्व हम सभी को भक्ति के मार्ग पर चलते हुए लोगों की सेवा करने हेतु सदैव प्रेरित करता रहेगा।

इस दौरान सरपंच गीता गजपाल, अध्यक्ष दुस्यंत साहू, गणेश साहू, नारद साहू, कांति साहू, टीकाराम साहू, राजकुमार साहू, देवधर साहू, हेमंत साहू, बेदू साहू, हरिचंद साहू, अध्यक्ष सालिक राम साहू, सरपंच भागवत पटेल, सोसायटी अध्यक्ष भैय्या लाल साहू, उपाध्यक्ष एमराज साहू, राजकुमार साहू, उमेश साहू, भगवती साहू, परमानंद, ओमप्रकाश साहू, यशवंत साहू, घनश्याम साहू, अश्वनी साहू, भूपेंद्र साहू, राजेश साहू, उपेंद्र साहू भारत साहू, दीपक साहू, मुन्ना देशमुख, सरपंच श्रीमती गूंजेस्वरी साहू, अध्यक्ष बालाराम साहू, उपाध्यक्ष नारद साहू, कामेश्वर साहू, रवि साहू, दिनेश साहू, पारख साहू, दामिनी साहू, कांति साहू व समस्त साहू समाज के नागरिकगण उपस्थित रहे।

मनरेगा पर वार, गैस पर मार : अरुण वोरा ने साधा भाजपा पर निशाना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रायपुर में कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ, नशे की खेती रोकने और रसोई गैस की किल्लत समेत कई मुद्दों को लेकर विधानसभा का घेराव किया, जिसमें भारत माता चौक पर पुलिस के साथ जमकर धक्का-मुक्की हुई और नारेबाजी की गई।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने विधानसभा का घेराव किया। यह घेराव मनरेगा बचाओ, नशे की खेती, रसोई गैस की किल्लत और प्रदेश के स्थानीय मुद्दों को लेकर किया गया। इस दौरान भारत माता चौक शंकर नगर में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने भारत माता चौक के पास बैरिकेडिंग लगाकर कांग्रेसियों को विधानसभा जाने से रोका। कांग्रेसियों ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट मौजूद रहे।

घेराव कार्यक्रम में लगभग 30 हजार से ज्यादा कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार पर मनरेगा कानून से महात्मा गांधी का नाम हटाकर और इसे योजना बनाकर खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद मनरेगा में काम लगभग बंद हो गया है। मनरेगा बंद होने से मजदूर दूसरे प्रदेशों में पलायन कर गए हैं।

इसी संदर्भ में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि — मनरेगा कोई सामान्य योजना नहीं, बल्कि गरीब और ग्रामीण मजदूरों का कानूनी अधिकार है। इसके तहत हर परिवार को 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। लेकिन आज सच्चाई यह है कि यह गारंटी कागजों तक सिमट कर रह गई है। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मजदूरी का पूरा भुगतान समय पर करे, लेकिन बार-बार फंड में देरी के कारण मजदूरों की मेहनत की कमाई अटक जाती है। मजदूर हफ्तों नहीं, महीनों तक अपने पैसे का इंतजार करते हैं — यह उनके अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। आज हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि राज्यों पर ही आर्थिक बोझ डाल दिया गया है, जबकि वे पहले से ही जीएसटी के दबाव में जूझ रहे हैं।

आज हालात यह हैं कि बहुत कम परिवारों को 100 दिन का पूरा रोजगार मिल पा रहा है। औसतन काम के दिन भी घट गए हैं। इसका सीधा असर यह हुआ है कि ग्रामीण मजदूरों को मजबूरी में पलायन करना पड़ रहा है।

सरकार मनरेगा को मजबूत करने के बजाय इसे कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। बजट में कटौती, काम की कमी और भुगतान में देरी — ये सब मिलकर इस योजना की मूल भावना को खत्म कर रहे हैं।

और दूसरी ओर, देश में रसोई गैस की स्थिति भी चिंताजनक है। एक तरफ गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, वहीं कई जगहों पर इसकी उपलब्धता भी अनियमित हो गई है। जिस उज्ज्वला योजना के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए गए थे, आज वही गरीब परिवार गैस भरवाने में असमर्थ हैं। रकार को चाहिए कि वह अपनी जिम्मेदारी से भागने के बजाय मनरेगा को उसकी मूल भावना के साथ लागू करे, समय पर भुगतान सुनिश्चित करे और रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरतों को हर घर तक सुलभ बनाए — क्योंकि अब जनता सवाल पूछ रही है और जवाब मांग रही है।

समाज सेवा की विरासत : संघर्ष से संकल्प तक , इंद्रजीत सिंह 'छोटू' की मिसाल

समाज के बीच बैठकर समस्याएं सुनना, समाधान का भरोसा और हर वर्ग को साथ लेकर चलना, यह उनकी कार्यशली की पहचान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जब समाज मुश्किल में होता है, तब कुछ लोग सिर्फ देखते हैं, और कुछ लोग आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाते हैं। इंद्रजीत सिंह छोटू उन्हीं चुनिंदा लोगों में से हैं, जो सेवा को सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि अपने जीवन का उद्देश्य बना चुके हैं।

कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता हो, या अचानक संकट में फंसे परिवार को सहारा देना—हर मोर्चे पर उनका योगदान साफ दिखाई देता है। हाल ही में एक ऐसे परिवार, जिसने सड़क हादसे में

अपना सहारा खो दिया, उनके बच्चों की पढ़ाई न रुके—इसके लिए समिति द्वारा हजारों रुपये की फीस जमा कराई गई। यह केवल मदद नहीं, बल्कि भविष्य बचाने का संकल्प है।

समाज के बीच बैठकर समस्याएं सुनना, समाधान का भरोसा देना और हर वर्ग—मजदूर, व्यापारी, युवा, मातृशक्ति—को साथ लेकर चलना, यह उनकी कार्यशैली की पहचान बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता और पद्मश्री सम्मानित समाजसेवी से सम्मान प्राप्त करना उनकी सामाजिक स्वीकार्यता को दर्शाता है।

लेकिन इन सबके पीछे एक गहरी कहानी है— अपने दिवंगत पिता के सपनों को आगे बढ़ाने की जिद। इंद्रजीत सिंह 'छोटू' आज केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतीक बन चुके हैं, जिसमें सेवा, संघर्ष और समर्पण एक साथ चलते हैं। लगातार, बिना थके, बिना रुके समाज के लिए काम करना आसान नहीं होता—पर यही कठिन राह उन्हें अलग पहचान देती है। यह सिर्फ समाजसेवा नहीं, यह विरासत को जीवित रखने की लड़ाई है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।